www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

# भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper
or
Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

**मौसम**

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

**बाजार**

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 फर्जी मतदाताओं से मुक्ति आवश्यक, बिहार में चुनाव से पहले राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया

ट्रम्प फिर बोले - भारत-पाकिस्तान संघर्ष में 5 फाइटर जेट्स गिरे 06

वर्ष :17 | अंक :113 | प्रयागराज ,गुरूवार 24 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

**संक्षिप्त समाचार**

## औद्योगिक क्षेत्र की फैक्टरी में लगी आग, लाखों का नुकसान

बाराबंकी जिले के उमरा औद्योगिक इलाके में स्थित प्लास्टिक उत्पाद बनाने वाली फैक्टरी में बुधवार दोपहर अचानक भीषण आग लग गई। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कुर्सी थाना इलाके के उमरा औद्योगिक क्षेत्र में प्लास्टिक का सामान बनाने वाली फैक्टरी में अज्ञात कारणों से अचानक आग लग गयी। उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया तथा कई घंटों की मशक्कत के बावजूद आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग की लपटें इतनी तेज थीं कि इसने कुछ ही मिनटों में पूरी फैक्टरी को अपनी चपेट में ले लिया। फैक्टरी प्रबंधन ने तुरंत अपने स्तर से आग बुझाने की कोशिश की लेकिन आग बेकाबू होती गई। इसके बाद दमकल विभाग को सूचना दी गई।

## चरस तस्करी के जुर्म में व्यक्ति को 10 साल का कठोर कारावास

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के एक व्यक्ति को चरस तस्करी के मामले में 10 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई है। पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना 2023 की है। न्यायाधीश मोहित बंसल ने चंबा जिले के शुक्रा गांव के भगत राम के बेटे दिनेश कुमार को दोषी ठहराया और 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई साथ ही एक लाख रुपए का जुमार्ना भी लगाया। उन्होंने कहा कि यदि जुमार्ना अदा नहीं किया गया तो आरोपी को एक वर्ष और जेल में रहना होगा। अधिकारी के अनुसार मामला 11 अप्रैल 2023 का है। सदर पुलिस थाने के अधिकारियों की एक टीम लखनपुर में वाहनों की नियमित जांच कर रही थी। दोपहर करीब ढाई बजे उन्होंने बिलासपुर से आ रही एक सफेद कार को रुकने का इशारा किया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने जब कार के कागजात दिखाने के लिए चालक को कहा, तो वह घबरा गया और स्पष्ट जवाब नहीं दे पाया। उन्होंने कहा कि इस पर पुलिस को शक हुआ और उसने तीन लोगों की मौजूदगी में कार की तलाशी ली। उन्होंने बताया कि तलाशी पर पुलिस को चालक की सीट के नीचे एक हरे रंग का बैग मिला, जिसमें टेप से बंधे प्लास्टिक के तीन पैकेट रखे थे। उन्होंने बताया कि तीनों पैकेट में से 1.986 किलोग्राम चरस बरामद किया गया। इसके बाद सदर पुलिस ने स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम की धारा 20 के तहत मामला दर्ज कर लिया।

# मानसून सत्र के तीसरे दिन भी जारी रहा हंगामा, लोकसभा में राष्ट्रीय खेल शासन बिल पेश

### ऑपरेशन सिंदूर-लोकसभा में 28, राज्यसभा में 29 जुलाई को चर्चा:दोनों सदनों में 16-16 घंटे बहस

**हंगामा**

**इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने भी बुधवार को संसद के बाहर बिहार के एसआईआर मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किया। इस बीच, सूत्रों के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर पर विस्तृत चर्चा 29 जुलाई को राज्यसभा में निर्धारित की गई है, जिसके लिए 16 घंटे का समय आवंटित किया गया है।**

एजेंसी

नयी दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के तीसरे दिन बिहार के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभ्यास और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विपक्षी सदस्यों द्वारा लगातार नारेबाजी के बाद दोनों सदनों की कार्यवाही गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। पहलगाम और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने भी बुधवार को संसद के बाहर बिहार के एसआईआर मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किया। इस बीच, सूत्रों के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर पर विस्तृत चर्चा 29 जुलाई को राज्यसभा में निर्धारित की गई है, जिसके लिए 16 घंटे का समय आवंटित किया गया है। लोकसभा में विपक्षी दलों के सदस्यों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कुछ अन्य मुद्दों को लेकर बुधवार को भी सदन में हंगामा किया, जिसके कारण दो बार के स्थगन के बाद कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा में बुधवार को सरकार ने एक विधेयक पेश किया जिसके प्रावधानों के दायरे में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भी आएगा तथा इसमें भले ही बीसीसीआई की स्वायत्तता को बरकरार रखा गया है किंतु उससे जुड़े विवादों का निस्तारण राष्ट्रीय पंचाट के जरिये करवाने का प्रस्ताव है। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने इन प्रावधानों वाला सदन में राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक, 2025 पेश किया।

**लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नारेबाजी कर रहे विपक्षी सांसदों से कहा, आप सड़कों का आचरण संसद में कर रहे हैं**

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में तख्तियां लेकर प्रदर्शन करने वाले सांसदों पर निर्णायक कार्रवाई की चेतावनी देते हुए बुधवार को नारेबाजी कर रहे विपक्षी सदस्यों से कहा कि वे सड़कों का आचरण संसद के भीतर कर रहे हैं, जबकि वो माननीय हैं और उनका व्यवहार माननीय जैसा ही होना चाहिए। विपक्षी दलों के सांसदों ने बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद और कुछ अन्य मुद्दों को लेकर बुधवार को भी लोकसभा में हंगामा किया जिसके कारण सदन की कार्यवाही आरंभ होने के कुछ ही मिनट बाद दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी गई।

**विपक्षी दलों के सांसदों ने काली कमीज पहनकर और काली पट्टी बांधकर संसद परिसर में किया प्रदर्शन**

विपक्षी इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के कई घटक दलों के सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कुछ अन्य मुद्दों को लेकर बुधवार को संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में शामिल कई सांसदों ने काली कमीज पहन रखी थी, तो कई ने बांह पर काली पट्टी बांध रखी थी। विभिन्न मुद्दों को लेकर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण बुधवार को राज्यसभा की बैठक शुरू होने के कुछ ही देर बाद दोपहर बारह बजे तक स्थगित कर दी गई।

# कुछ न कुछ तो दाल में काला है...

### ट्रंप के दावे को लेकर राहुल गांधी ने साधा मोदी सरकार पर निशाना

**ऑपरेशन सिंदूर की शुरूआत 7 मई को हुई थी और इस ऑपरेशन को 10 मई को रोक दिया गया था। इस ऑपरेशन के दौरान भारत की वायु सेना ने जो क्षमता दिखाया था उसकी स्टडी दुनियाभर के देश कर रहे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई को सीजफायर हुआ था।**

एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के भारत-पाकिस्तान के बीच युद्धविराम कराने के दावों पर लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक बार फिर से सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि आप कह रहे हैं कि ऑपरेशन सिंदूर जारी है और एक तरफ आप कहते हैं कि हम जीत गए हैं। एक तरफ डोनाल्ड ट्रंप ने 25 बार कहा कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर रोक दिया है। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि 'कुछ न कुछ तो दाल में काला है ना'... किसी देश ने हमारी विदेश नीति का समर्थन नहीं किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने हमारी विदेश नीति की धज्जियां उड़ा दीं। सांसद राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री बयान कैसे दे सकते हैं? क्या वह कहेंगे कि संघर्ष विराम ट्रंप ने कराया? नहीं, वह ऐसा नहीं कहेंगे। यह हकीकत है कि ट्रंप ने संघर्ष विराम कराया है... यह सिर्फ संघर्ष विराम की बात नहीं है, हम रक्षा उद्योग, ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा करना चाहते हैं... प्रधानमंत्री एक भी बयान नहीं दे पा रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप 25 बार कह चुके हैं कि उन्होंने संघर्ष विराम कराया। ट्रंप ऐसा करने वाले कौन होते हैं? यह उनका काम नहीं है, लेकिन प्रधानमंत्री ने एक बार भी जवाब नहीं दिया... यह सच्चाई है, आप इससे भाग नहीं सकते। आपको बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर की शुरूआत 7 मई को हुई थी और इस ऑपरेशन को 10 मई को रोक दिया गया था। इस ऑपरेशन के दौरान भारत की वायु सेना ने जो क्षमता दिखाया था उसकी स्टडी दुनियाभर के देश कर रहे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई को सीजफायर हुआ था। जिसको लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप गाहे बगाहे क्रेडिट लेने के लिए चले आते हैं। हालांकि भारत की तरफ से लगातार इसका खंडन भी किया जाता रहा है। लेकिन ट्रंप कहा मानने वाले हैं। उन्होंने एक बार फिस से सीजफायर की बात दोहराई। इसके साथ ही एक और बड़ा दावा करते हुए कह दिया कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध के दौरान पांच लड़ाकू विमान गिराए गए। हालांकि, ट्रंप ने यह साफ नहीं किया कि किस देश के लड़ाकू विमान गिरे हैं। ट्रंप के बयान के बाद देश में राजनीति भी शुरू हो गई है। कांग्रेस और राहुल गांधी ऑपरेशन सिंदूर के बाद से ही राफेल के गिरने को लेकर सरकार से सवाल पूछते आए हैं।

# स्वच्छता में गोरखपुर का मान बढ़ाने वाले सफाई मित्रों और पार्षदों को सीएम योगी ने किया सम्मानित

### अब गोरखपुर को देश के टॉप-थ्री स्वच्छ शहरों में शामिल करने का रखें लक्ष्य : सीएम योगी

**253 करोड़ रुपये की 177 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास .नगर निगम में अर्बन फ्लड मैनेजमेंट सेल का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण .विकास कार्यों में गुणवत्ता से न हो कोई समझौता : मुख्यमंत्री**

एजेंसी

गोरखपुर । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकास कार्यों में नागरिकों के सकारात्मक रुख और सहयोग की सराहना करने के साथ कहा है कि विकास में लगने वाला पैसा जनता जनार्दन के टैक्स का है। इस पैसे का सही इस्तेमाल सुनिश्चित होना चाहिए। विकास कार्यों में क्वालिटी (गुणवत्ता) से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। विकास के लिए जनता के पैसे का सही उपयोग हो, यह हम सबका लक्ष्य होना चाहिए। सीएम योगी बुधवार को गोरखपुर नगर निगम परिसर में स्वच्छ सर्वेक्षण में गोरखपुर को राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि दिलाने में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सफाई मित्रों के सम्मान और 253 करोड़ रुपये की 177 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे।

# अरे जानते हो, बच्चा न हो...

### विधानसभा में तेजस्वी यादव पर क्यों बरस पड़े नीतीश कुमार

**विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने पुनरीक्षण फॉर्म के लिए 11 दस्तावेजों की अनिवार्यता पर सवाल उठाते हुए पूछा कि गरीब लोग इतने सारे दस्तावेज कैसे जुटा पाएँगे। जवाब में, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भड़क गए और तेजस्वी को उनके माता-पिता के कार्यकाल की याद दिलाते हुए उन्हें बच्चा कह दिया।**

एजेंसी

बिहार विधानसभा में बुधवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के बीच तीखी बहस हुई, जिसमें दोनों नेताओं के बीच तीखी बहस हुई। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर तनाव पैदा हो गया, जहाँ तेजस्वी ने इस प्रक्रिया पर सवाल उठाए, जबकि नीतीश ने सरकार के रिकॉर्ड का बचाव किया। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने पुनरीक्षण फॉर्म के लिए 11 दस्तावेजों की अनिवार्यता पर सवाल उठाते हुए पूछा कि गरीब लोग इतने सारे दस्तावेज कैसे जुटा पाएँगे। जवाब में, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भड़क गए और तेजस्वी को उनके माता-पिता के कार्यकाल की याद दिलाते हुए उन्हें बच्चा कह दिया। तेजस्वी के आरोपों से नाराज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उन्हें उनके माता-पिता के कार्यकाल की याद दिलाते हुए कहा, ₹आप क्या बात कर रहे हैं? आप ऐसा क्यों बोल रहे हैं? जब आप छोटे थे, तब आपके माता-पिता मुख्यमंत्री थे। क्या आपको उस समय की स्थिति पता है? हमने आपको (महागठबंधन) इसलिए छोड़ दिया क्योंकि आप अच्छा काम नहीं कर रहे थे। इस साल चुनाव आ रहे हैं, और लोग सोचेंगे कि क्या करना है। हमारी सरकार ने बहुत काम किया है। ये लोग चुनाव के लिए कुछ भी कहते हैं।

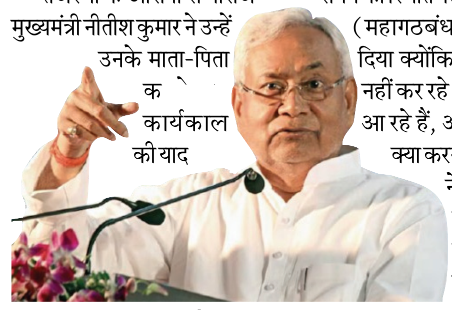

# अहमदाबाद एयरपोर्ट पर टेकऑफ से पहले इंडिगो फ्लाइट में आग

### पायलट ने मेडे कॉल भेजा; कल एअर इंडिया के विमान में आग लगी थी

**दिल्ली-कोलकाता फ्लाइट में तकनीकी खराबी, फ्लाइट रोकी**

**इससे पहले मंगलवार को ही दिल्ली से कोलकाता जाने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट अक2403 में तकनीकी खराबी आ गई थी। खबर मिलने के बाद दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से प्लेन को उड़ान भरने से रोक दिया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक प्लेन 160 यात्रियों को लेकर रनवे पर था और उड़ने ही वाला था। तभी खराबी का पता चला।**

एजेंसी

अहमदाबाद , फ्लाइट में 60 पैसेंजर थे। विमान रनवे पर टेकऑफ की तैयारी कर रहा था, तभी पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल को इमरजेंसी मेडे कॉल भेजा और उड़ान को रोक दिया गया। यह हादसा सुबह करीब 11 बजे हुआ। इसके बाद तुरंत सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घटना की जांच जारी है।

# जनसुराज के प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज

### प्रशांत किशोर ने साधा सरकार पर निशाना

**प्रशांत किशोर ने कहा कि सरकार मिलने से इनकार कर रही है, और जब तक सरकार का कोई प्रतिनिधि हमसे नहीं मिलता, हम यहीं बैठे रहेंगे। लड़ाई अभी शुरू हुई है। अभी तीन महीने बाकी हैं। बिहार की जनता बदलाव चाहती है और भ्रष्टाचारियों को हटाना चाहती है।**

एजेंसी

जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर के नेतृत्व में हजारों समर्थकों पर बुधवार को बिहार की राजधानी में पुलिस द्वारा हल्का बल प्रयोग किया गया, जब वे नीतीश कुमार सरकार की कथित विफलताओं को उजागर करने के लिए विधानसभा मार्च करने का प्रयास कर रहे थे। इस दौरान प्रशांत किशोर ने कहा कि हम शांतिपूर्ण तरीके से जनता का यह ज्ञापन मुख्यमंत्री को देना चाहते हैं कि पिछले 2 सालों में उन्होंने 94 लाख परिवारों को 2 लाख रुपये देने का वादा किया था, लेकिन आज तक एक भी परिवार को एक भी रुपया नहीं मिला। प्रशांत किशोर ने कहा कि सरकार मिलने से इनकार कर रही है, और जब तक सरकार का कोई प्रतिनिधि हमसे नहीं मिलता, हम यहीं बैठे रहेंगे। लड़ाई अभी शुरू हुई है। अभी तीन महीने बाकी हैं। बिहार की जनता बदलाव चाहती है और भ्रष्टाचारियों को हटाना चाहती है। वे विधानसभा में और पुलिस के पीछे नहीं छिप सकते। हम उन्हें ऐसा जवाब देंगे कि पूरा बिहार देखेगा। हम बिहार के सीएम नीतीश कुमार को उनके घर में घेर लेंगे, और पुलिस कुछ नहीं कर पाएगी।

# अहमदाबाद प्लेन क्रैश- 2 ब्रिटिश परिवार को गलत शव मिले

### आरोप- डीएनए परिजन से मेल नहीं खा रहा; भारत बोला- हम जांच कर रहे

**एअर इंडिया पर पहले मुआवजा बचाने का आरोप लगा था**

**इससे पहले ब्रिटेन की कानूनी फर्म स्टीवर्ट्स ने आरोप लगाए थे कि एअर इंडिया ने मुआवजा देने से पहले परिवारों से कानूनी रूप से संवेदनशील वित्तीय जानकारी मांगी, जिससे उनका हक कम हो सकता है। उधर, एअर इंडिया ने आरोपों को नकार दिया था। स्टीवर्ट्स ने कहा था, एअर इंडिया इस तरह से व्यवहार कर लगभग 1,050 करोड़ रुपए बचाने की कोशिश कर सकती है। उन्होंने मामले की जांच की मांग भी की है। वहीं, उन्होंने अपने क्लाइंट्स को सलाह दी है कि वे फॉर्म न भरें और मुआवजा पाने के लिए कानूनी रास्ता अपनाएं।**

एजेंसी

अहमदाबाद , ब्रिटेन में अहमदाबाद प्लेन क्रैश के पीड़ित 2 परिवारों ने दावा किया है कि उन्हें गलत शव सौंपे गए हैं। उनके वकील जेम्स हीली के मुताबिक, दोनों शवों का डीएनए उनके परिजन से मेल नहीं खा रहा। ब्रिटेन के न्यूज पेपर डेली मेल की एक रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है। इसके मुताबिक, ब्रिटेन में रहने वाले एक परिवार ने अपने परिजन के अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू कर दी थी, लेकिन जब डीएनए जांच में पता चला कि ताबूत में किसी और यात्री का शव है।

**आरोप** भाजपा शासित राज्यों में बंगालियों को किया जा रहा अपमानित

# टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी का आरोप

एजेंसी

नयी दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी ने बुधवार को आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में बंगालियों का अपमान किया जा रहा है। दिल्ली में बोलते हुए, बनर्जी ने दावा किया कि बंगालियों को प्रताड़ित किया जा रहा है और उन्हें बांग्लादेश वापस भेजा जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि गुजरात के कुछ लोग देश पर अपना दबदबा बनाना चाहते हैं। उन्होंने बंगालियों के ऐतिहासिक योगदान पर जोर देते हुए कहा कि गुजरातियों के विपरीत, बंगाली आजादी की लड़ाई में सबसे आगे थे। बनर्जी ने एएनआई से कहा कि हमने नारे लगाए हैं कि पूरे भारत में भाजपा शासित राज्यों में बंगालियों का अपमान किया जा रहा है। वे बंगालियों पर अत्याचार कर रहे हैं। वे बंगालियों को उठाकर बांग्लादेश वापस भेज रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि गुजरात के कुछ लोग देश पर अपना दबदबा बनाएंगे? बंगाली हमेशा सबसे आगे रहे हैं। आजादी की लड़ाई में बंगाली थे, उस समय गुजराती नहीं थे। इस बीच, बिहार में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित कई मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के लगातार विरोध के बीच, बुधवार को लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही फिर से शुरू होने के तुरंत बाद दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। कार्यवाही फिर से शुरू होने के तुरंत बाद, विपक्षी सदस्यों द्वारा बिहार में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण पर चर्चा की मांग को लेकर हंगामा करने के बाद राज्यसभा को एक मिनट के भीतर स्थगित कर दिया गया। हालांकि, विपक्षी सांसदों के लगातार हंगामे और नारेबाजी के बीच लोकसभा ने कुछ मिनट के लिए अपनी कार्यवाही रोक दी। इस दौरान, केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने लोकसभा में 'राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, 2025' पेश किया। इससे पहले दिन में, दोनों सदनों को इसी तरह के व्यवधानों के कारण बैठक शुरू होने के कुछ ही देर बाद स्थगित कर दिया गया था। लोकसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी थी क्योंकि विपक्षी सदस्य बिहार में चुनाव आयोग द्वारा की जा रही एसआईआर प्रक्रिया सहित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की मांग को लेकर अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखे हुए थे। सदन के वेल में तख्तियों के इस्तेमाल पर आपत्ति जताते हुए, अध्यक्ष ने कहा, ₹देश आपके व्यवहार और आचरण को देख रहा है। मुझे बैनर लाने वाले सदस्यों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करनी होगी।

**बनर्जी ने एएनआई से कहा कि हमने नारे लगाए हैं कि पूरे भारत में भाजपा शासित राज्यों में बंगालियों का अपमान किया जा रहा है। वे बंगालियों पर अत्याचार कर रहे हैं। वे बंगालियों को उठाकर बांग्लादेश वापस भेज रहे हैं।**

# सपा की नजर में संविधान का कोई सम्मान नहीं : उपमुख्यमंत्री

**मुस्लिम समुदाय के प्रति सपा के रुख के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए भाजपा नेता ने कहा कि यह सपा की लंबे समय से चली आ रही तुष्टिकरण की रणनीति का हिस्सा है।**

एजेंसी

नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर संवैधानिक मूल्यों के विरुद्ध काम करने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि विपक्षी दल को संविधान की कोई परवाह नहीं है। पाठक ने संसद के पास स्थित एक मस्जिद में सपा सांसदों की बैठक पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे तुष्टीकरण की राजनीति बताया और कहा, समाजवादी पार्टी का संविधान से कोई लेना-देना नहीं है। सपा नेता बार-बार जनता के सामने नमाजवादी बनकर सांप्रदायिक राजनीति करते हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा, सपा वही पार्टी है जिसने अयोध्या में निहत्थे राम भक्तों पर गोलियां चलवाईं और सरयू (नदी) को खून से लाल कर दिया। उन्होंने सनातन संस्कृति की जड़ों को लगातार चोट पहुंचाने की कोशिश की है मगर सफल नहीं हो सके। पाठक ने दावा किया कि राज्य की जनता ऐसी राजनीति को कभी स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने सपा के सत्ता में लौटने की संभावना को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, सपा तुष्टीकरण के चाहे कितने भी हथकंडे अपना ले मगर सत्ता में उसकी वापसी असंभव है। जैसा कि हम हमेशा कहते आए हैं कि जो भगवान राम के साथ खड़ा नहीं हो सकता, वह भगवान कृष्ण के साथ भी नहीं खड़ा हो सकता ।

## सम्पादकीय

### सवालों भरा धनखड़ का इस्तीफा, मानसून सत्र के पहले दिन ही क्यों छोड़ दिया पद?

उपराष्ट्रपति ने एक ऐसे समय त्यागपत्र दिया है जब भाजपा अपना नया अध्यक्ष चुनने के लिए माथापच्ची कर रही है। अब भाजपा को उपराष्ट्रपति पद का प्रत्याशी तलाश करना होगा। स्पष्ट है कि जगदीप धनखड़ ने भाजपा का काम बढ़ा दिया। यह भी ध्यान रहे कि उनका त्यागपत्र प्रधानमंत्री की विदेश यात्रा के ठीक पहले आया और संसद के इस सत्र में कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा भी होनी है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक त्यागपत्र देने से जो अनेक प्रश्न उठे हैं, वे सही ही हैं और उनके उत्तर भी मिलने चाहिए, लेकिन कहना कठिन है कि उत्तर मिलेंगे या नहीं? उपराष्ट्रपति ने जिस तरह यकायक बिना कोई संकेत दिए मानसून सत्र के पहले दिन अपना पद छोड़ दिया, वह इसलिए और अधिक चकित करने वाला है, क्योंकि दिन में वे सदन में सक्रिय थे और रात को उन्होंने यह कहते हुए त्यागपत्र दे दिया कि स्वास्थ्य कारणों से ऐसा करना पड़ रहा है। किसी के स्वास्थ्य के मामले में अटकलबाजी नहीं की जानी चाहिए, लेकिन उपराष्ट्रपति की बात आसानी से हजम नहीं हो रही है। यह अनुमान लगाया जा रहा है कि उनके और सरकार के बीच किसी मुद्दे पर मतभेद हुए और फिर वे इतने अधिक बढ़े कि उन्होंने आनन-फानन त्यागपत्र देना ठीक समझा। उपराष्ट्रपति जैसे महत्वपूर्ण पदों पर बैठे व्यक्तियों को ऐसा करने से बचना चाहिए। जगदीप धनखड़ तो बड़े तेजतर्रार और बेबाक नेता हैं। वे किसी भी मुद्दे पर कुछ भी कहने से संकोच नहीं करते हैं। पिछले कुछ समय से तो वे विभिन्न मुद्दों पर काफी तीखे बयान दे रहे थे-और तो और सुप्रीम कोर्ट को भी निशाने पर ले रहे थे। चूंकि वे वकील भी रहे हैं, इसलिए उनकी कानूनी एवं संवैधानिक समझ पर सवाल भी नहीं उठाया जा सकता। वे केवल कानूनी एवं संवैधानिक मामलों में ही नहीं, बल्कि अन्य अनेक विषयों पर भी खुलकर बोलने के लिए जाने जाते हैं। जब वे पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे तो उनकी मुख्यमंत्री ममता से ठन गई थी और राज्यसभा के सभापति रहते कई विपक्षी नेताओं से। विपक्ष और उनके बीच तकरार इतनी अधिक बढ़ी कि कांग्रेस तो उनके खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी कर रही थी। कुछ अन्य विपक्षी दलों को भी उनका रवैया रास नहीं आ रहा था। उनके रवैये को लेकर सदन से बाहर भी सवाल उठाए जाते रहे। उपराष्ट्रपति ने एक ऐसे समय त्यागपत्र दिया है जब भाजपा अपना नया अध्यक्ष चुनने के लिए माथापच्ची कर रही है। अब भाजपा को उपराष्ट्रपति पद का प्रत्याशी तलाश करना होगा। स्पष्ट है कि जगदीप धनखड़ ने भाजपा का काम बढ़ा दिया। यह भी ध्यान रहे कि उनका त्यागपत्र प्रधानमंत्री की विदेश यात्रा के ठीक पहले आया और संसद के इस सत्र में कई महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा भी होनी है।

## आज का विचार

# फर्जी मतदाताओं से मुक्ति आवश्यक, बिहार में चुनाव से पहले राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया

> 2020 के विधानसभा चुनावों में बिहार की करीब 20 प्रतिशत सीटों पर जीत-हार का फैसला महज ढाई प्रतिशत या उससे कम वोटों के अंतर से हुआ था। 17 सीटों पर तो जीत-हार का फैसला एक प्रतिशत से भी कम अंतर से हुआ था। साफ है कि 77 लाख फर्जी वोटरों का मामला राज्य के चुनाव नतीजों पर असर डाल सकता है।

पा बिहार की मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) अभियान पर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। विपक्षी दल इसके लिए चुनाव आयोग की मंशा और निष्पक्षता पर सवाल उठा रहे हैं। वे यह संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं कि चुनाव आयोग सत्तापक्ष के हाथों में खेल रहा है और इस अभियान के बहाने उनके समर्थक वोटरों के नाम मतदाता सूची से काटने की जुगत लगा रहा है। राजद, कांग्रेस और तृणमूल जैसे दलों ने अभियान का विरोध करते हुए इसे नागरिकता सत्यापन से जोड़ दिया है। मोदी सरकार में शामिल टीडीपी ने भी मांग रखी है कि इस अभियान को लेकर यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि यह नागरिकता के सत्यापन का अभियान नहीं है। इस बीच डेमोग्राफिक रिकंस्ट्रक्शन एंड इलेक्टोरल रोल इन्फ्लेशन: एस्टीमेटिंग द लेजिटिमेट वोटर बेस इन बिहार, इंडिया 2025 शीर्षक से एक अध्ययन सामने आया है, जो बता रहा है कि बिहार की मतदाता सूची में करीब 77 लाख अवैध मतदाता हैं। अभी बिहार में 7.89 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज हैं। अध्ययन का निष्कर्ष है कि इनमें सिर्फ सात करोड़ 12 लाख मतदाताओं के नाम ही वैध हैं, जबकि बाकी 77 लाख मतदाता फर्जी हैं। बिहार में विधानसभा की 243 सीटें हैं। इस लिहाज से देखें तो करीब हर

सीट पर लगभग तीस हजार अवैध मतदाता हैं। इस अध्ययन के अनुसार, बिहार के शहरी और ग्रामीण इलाकों की मतदाता सूची में दर्ज अवैध वोटरों की वजह अलग-अलग है। शहरी मतदाता सूची में फर्जी वोटरों के नाम प्रवासन की समस्या की वजह से हैं तो ग्रामीण इलाकों में इसकी वजह मृत्यु के आंकड़ों का रिकार्ड अपडेट न होना है। चुनाव आयोग की प्राथमिक रिपोर्ट भी इस अध्ययन के नतीजे को सही साबित करती है। एसआइआर के चलते पता चला है कि बिहार में करीब 5.76 लाख मतदाताओं के नाम एक से ज्यादा जगहों की मतदाता सूची में शामिल हैं। वहीं 35 लाख से अधिक मतदाता अपने पते पर नहीं मिले हैं। चुनाव आयोग ने जो आंकड़े जारी किए हैं, उसके अनुसार करीब 12 लाख 55 हजार 620 मतदाताओं की मृत्यु हो चुकी है, जबकि उनके नाम अब भी मतदाता सूची में शामिल हैं। इसी तरह 17 लाख 37 हजार 336 मतदाताओं ने स्थायी रूप से उस जगह को छोड़ दिया है, जहां उनके नाम मतदाता सूची में शामिल हैं। ये आंकड़े प्रारंभिक हैं। फाइनल आंकड़ों में बिहार की डेमोग्राफी बदली नजर आ सकती है। जो स्थिति बिहार में देखने को मिल रही है, वह अन्य राज्यों में और खासकर बंगाल में भी होगी। बिहार में आखिरी एसआइआर 2003 में हुआ था। तब राज्य में 4.96 करोड़ मतदाता थे। 2003 में 65 वर्ष और उससे अधिक आयु के वोटरों में से अधिकांश के जीवित रहने की संभावना कम है। इस लिहाज से 2003 की मतदाता सूची में शामिल 4.96 करोड़ लोगों में से, 2025 में केवल 3.41 करोड़ लोगों के जीवित रहने की संभावना है। अध्ययनकर्ताओं के अनुसार, राज्य की जन्म-मृत्यु दर के हिसाब से 2003 के बाद से अब तक इस सूची में 4.83 करोड़ नए वोटर जुड़ने चाहिए थे। आंकड़ों के लिहाज से 1985 से 2007 के बीच राज्य में इतने ही लोगों का जन्म होना चाहिए, जो अब तक वोटर हो सकते हैं। बिहार से पलायन की जो स्थिति है, उसके लिहाज से इस राज्य से इस बीच करीब एक करोड़ 12 लाख मतदाता बिहार से पलायन कर चुके हैं। 2003 से 2011 के बीच बिहार से कुल 49 लाख 65 हजार वोटर बाहर रहने चले गए। इसी तरह 2012 से 2025 के बीच राज्य से 72 लाख लोगों ने प्रवासन किया। इनमें से करीब आठ लाख 80 हजार लोग लौटे। इस तरह राज्य से पलायन करने वाले वोटरों की संख्या एक करोड़ 12 लाख बैठती है। इस हिसाब से राज्य में वैध वोटरों की संख्या सात करोड़ 12 लाख ही बैठती है। बिहार में सीमावर्ती इलाकों विशेषकर सीमांचल में घुसपैठ की बातें छिपी नहीं हैं। 2003 से ही राशन कार्ड और आधार कार्ड को मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए सहयोगी दस्तावेज के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि कई राज्यों ने अपनी जांच में अवैध राशन कार्ड पकड़े हैं। इसी तरह घुसपैठियों के आधार कार्ड हासिल करने की जानकारियां भी सामने आती रही हैं। यही वजह है कि चुनाव आयोग ने इन दस्तावेजों को वोटर लिस्ट में शामिल करने के लिए वैध नहीं माना है। विपक्षी दलों को डर है कि इस अभियान से उनके वोटरों की संख्या घट सकती है। अगर वोटर लिस्ट में फर्जी मतदाता हैं तो उनके नाम पर फर्जी वोटिंग की आशंका बनी रहेगी। 2020 के विधानसभा चुनावों में बिहार की करीब 20 प्रतिशत सीटों पर जीत-हार का फैसला महज ढाई प्रतिशत या उससे कम वोटों के अंतर से हुआ था। 17 सीटों पर तो जीत-हार का फैसला एक प्रतिशत से भी कम अंतर से हुआ था। साफ है कि 77 लाख फर्जी वोटरों का मामला राज्य के चुनाव नतीजों पर असर डाल सकता है। ऐसे में चुनाव आयोग के कदम पर सवाल उठाना बेमानी ही कहा जाएगा। स्वच्छ और निष्पक्ष मतदान लोकतंत्र की पहली शर्त है। ऐसे में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की महत्ता बढ़ जाती है। बिहार ही क्यों, पूरे देश के लिए ऐसे अभियान की जरूरत बढ़ जाती है। मतदाता सूची में पारदर्शिता बढ़ाने के चुनाव आयोग के अभियान पर सवाल उठाने से बचा जाना चाहिए।

**मेष राशि:** करियर: परोपकार में मन लगेगा, लेकिन खुद का काम प्रभावित हो सकता है. बिजनेस: विरोधियों से सावधान रहें, रुकावटें आ सकती हैं. धन: पुराना लेनदेन समय पर न चुकाने पर परेशानी होगी. शिक्षा: ध्यान बंट सकता है, फोकस बनाए रखें. लव/ पारिवारिक: जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर चिंता रहेगी. उपाय: हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाएं.

**वृषभ राशि:** करियर: कार्यस्थल का माहौल सहयोगात्मक रहेगा. बिजनेस: मेहमानों के आगमन से वातावरण प्रसन्न रहेगा. धन: खर्चों पर नियंत्रण रहेगा. शिक्षा: स्वास्थ्य में सुधार के साथ पढ़ाई में ध्यान लगेगा. लव/पारिवारिक: वैवाहिक जीवन मधुर रहेगा. उपाय: लक्ष्मी जी को कमल का फूल अर्पित करें.

मिथुन राशि: करियर: कार्यभार बढ़ेगा, व्यस्तता रहेगी. बिजनेस: संपत्ति से जुड़े मामलों में सतर्कता रखें. धन: धन आगमन के योग हैं, लेकिन खर्च भी रहेंगे. शिक्षा: ध्यान बंट सकता है, मेहनत से सफलता मिलेगी. लव/पारिवारिक: जीवनसाथी नाराज हो सकता है. उपाय: दुर्गा सप्तशती का पाठ करें.

**कर्क राशि :** करियर: आर्थिक रूप से दिन बेहतर रहेगा. बिजनेस: सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा. धन: अचानक लाभ संभव है. शिक्षा: पारिवारिक निर्णयों में भावुकता से बचें. लव/पारिवारिक: जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा. उपाय: शिव जी को जल अर्पित करें.

**सिंह राशि:** करियर: कार्यों में सफलता मिलेगी, लेकिन थकान हो सकती है. बिजनेस: निवेश में सतर्क रहें, पैसा फंस सकता है. धन: रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है. शिक्षा: छात्र बड़ी सफलता प्राप्त कर सकते हैं. लव/पारिवारिक: पुराना मित्र मिलने आ सकता है. उपाय: सूर्य को जल अर्पित करें.

**कन्या राशि:** करियर: रचनात्मक कार्यों में रुचि रहेगी. बिजनेस: उधार दिया पैसा वापस मिल सकता है. धन: क्रोध पर संयम रखें, नुकसान से बचेंगे. शिक्षा: छात्रों को शिक्षा पर पूरा ध्यान देना होगा. लव/पारिवारिक: प्रेम संबंधों में मतभेद हो सकते हैं. उपाय: गणेश जी को दूर्वा अर्पित करें.

**तुला राशि:** करियर: जीवनसाथी के सहयोग से कार्य पूरे होंगे. बिजनेस: नई आमदनी के स्रोत मिल सकते हैं. धन: रुके हुए कार्य आज पूरे हो सकते हैं. शिक्षा: पढ़ाई में कुछ उतार-चढ़ाव रहेगा. लव/पारिवारिक: पारिवारिक सहयोग बना रहेगा, यात्रा के योग हैं. उपाय: मां दुर्गा को लाल चुनरी चढ़ाएं.

**वृश्चिक राशि:** करियर: आय में वृद्धि होगी, लेकिन स्वास्थ्य पर ध्यान दें. बिजनेस: प्रभावशाली लोगों से मुलाकात फायदेमंद रहेगी. धन: पुराने कर्ज चुकाने में सफलता मिलेगी. शिक्षा: शिक्षण से जुड़े लोगों के लिए दिन शुभ है.

**धनु राशि:** करियर: कानूनी मामलों में जीत के योग हैं. बिजनेस: घरेलू वस्तुओं पर खर्च संभव है. धन: विरोधियों से सतर्क रहें, आर्थिक नुकसान से बचें. शिक्षा: मेहनत से अच्छे परिणाम मिलेंगे. लव/ पारिवारिक:

**मकर राशि :** करियर: जिम्मेदारियां पूरी होंगी, कार्य में सफलता मिलेगी. बिजनेस: प्रॉपर्टी से लाभ संभव है. धन: अचानक खर्च बढ़ सकते हैं. शिक्षा: एकाग्रता बनी रहेगी, रिजल्ट अच्छे आएंगे. लव/ पारिवारिक: मांगलिक कार्य के योग हैं, पारिवारिक आनंद रहेगा. उपाय: शनिदेव को सरसों का तेल चढ़ाएं.

**कुंभ राशि:** करियर: स्वास्थ्य कारणों से व्यस्तता बनी रहेगी. बिजनेस: संपत्ति के लेन-देन में सावधानी रखें. धन: बजट गड़बड़ा सकता है, खर्चे संभालें. शिक्षा: पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करें.

**मीन राशि :** करियर: अटकी हुई डील फाइनल हो सकती है. बिजनेस: योजनाएं सफल होंगी, लाभ के योग हैं. धन: महत्वपूर्ण सूचना से आर्थिक लाभ संभव. शिक्षा: छात्रों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी. लव/पारिवारिक: लवमेट के साथ संबंध बेहतर होंगे.

**ज्योतिष सेवा केन्द्र**
**ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री**

# शिक्षा का भगवाकरण या शुद्धिकरण

राजेश कुमार पासी

एनसीईआरटी नई शिक्षा नीति के तहत नए पाठ्यक्रम के अनुसार नई किताबें जारी कर रहा है। उसने कई कक्षाओं के लिए किताबें जारी कर दी हैं और इसी क्रम में उसने कक्षा आठ के लिए सामाजिक विज्ञान भाग-एक की किताब जारी की है। जब से एनसीईआरटी ने अपनी सामाजिक विज्ञान की इस किताब में इतिहास को लेकर कुछ बदलाव किया है तब से यह शोर मचाया जा रहा है कि एनसीईआरटी शिक्षा का भगवाकरण कर रही है। वास्तव में एनसीईआरटी ने इस किताब में सल्तनत काल और मुगल काल में हुए अत्याचारों की बात की है। किसी भी दल या बुद्धिजीवी ने किताब में दिए गए तथ्यों पर सवाल नहीं उठाया है बल्कि सरकार की नीयत पर सवाल उठाया है। यह विमर्श चलाया जा रहा है कि मोदी सरकार शिक्षा का भगवाकरण कर रही है। दूसरी तरफ भाजपा नेताओं का कहना है कि कांग्रेस सरकार के दौरान बच्चों को सच्चाई से दूर रखा गया है। सरकार चाहती है कि देश के विद्यार्थी इतिहास का सच जाने जो उनसे अभी तक छुपाया गया था। देखा जाए तो विपक्ष को मोदी सरकार के हर काम का विरोध करना जरूरी लगता है इसलिए इस काम का भी विरोध किया जा रहा है। मुख्य रूप से विपक्ष सरकार पर आरोप लगा रहा है कि मुगलो को बदनाम करने की सरकार द्वारा साजिश की जा रही है। विपक्ष यह कहने की कोशिश कर रहा है कि सरकार के इस काम के कारण हिन्दू-मुस्लिम भाईचारे को खतरा पैदा हो सकता है। सवाल यह है कि क्या झूठे इतिहास के सहारे इस भाईचारे को कायम रखने की कोशिश की जा रही है या सच को छुपाने से यह भाईचारा बना रहेगा। मुझे कभी-कभी यह समझ नहीं आता है कि विपक्ष को छोटी-छोटी बातों से हिन्दू-मुस्लिम भाईचारे के बिगड़ने का डर क्यों सताने

लगता है। सवाल यह है कि इतिहास का सच बताने से क्या हिन्दू-मुस्लिम भाईचारा खत्म हो सकता है।

देखा जाए तो मोदी सरकार कुछ नया नहीं बताने जा रही है। जो कुछ एनसीईआरटी ने अपनी किताब में शामिल किया है उसे इतिहास के वो विद्यार्थी जानते हैं जिन्होंने मैट्रिक के बाद इतिहास को पढ़ा है। भाजपा के कुछ नेताओं और समर्थको द्वारा यह कहा जा रहा है कि नेहरू सरकार से लेकर जो कुछ अभी तक एनसीईआरटी द्वारा पढ़ाया जा रहा था उसमें मुगलों के बारे में झूठ बताया जा रहा था। वास्तव में यह पूरी तरह से गलत है कि पहले झूठ बोला जा रहा था और जो अब शामिल किया गया है वही सच है। वास्तव में सच बताया नहीं गया था क्योंकि सरकार को लगता था कि छोटे बच्चों को ये सच बताना सही नहीं है। अगर अकबर की बात करें तो मैट्रिक के बाद बच्चे वो पढ़ते थे जो आज एनसीईआरटी द्वारा अपनी किताब में बताया गया है। अकबर ने चितौड़ पर विजय हासिल करने के बाद लगभग तीस हजार हिंदुओं की हत्या करके उनकी खोपड़ियों का मीनार बनाया था। इस ऐतिहासिक सच को इतिहास के स्नातक करने वाले विद्यार्थी जानते थे लेकिन मैट्रिक तक पढ़ने वाले बच्चे नहीं जानते थे। सवाल यह पैदा होता है कि इस सच को छुपाने की जरूरत क्या थी बल्कि इस सच को छुपाकर तो अकबर के साथ अन्याय किया गया है। इस घटना को न जानने वाला कैसे जान सकता है कि अकबर में कितना बड़ा बदलाव आया था। क्या सम्राट अशोक ने कलिंग के युद्ध में लाखों लोगों की हत्याएं नहीं की थी। निर्दोष लोगों की हत्या के बाद सम्राट अशोक में मानवता जाग गई और उन्होंने अपना रास्ता बदल लिया इसलिए अशोक महान कहलाये। सवाल यह है कि इन दोनों राजाओं को देखने का नजरिया क्या है। वास्तव में महान अशोक की तुलना अकबर से नहीं की जा सकती क्योंकि अशोक ने निर्दोष जनता की हत्या नहीं की थी जबकि अकबर ने जीत के बाद आम जनता का नरसंहार किया था जिसमें औरतें और बच्चे भी शामिल थे। दूसरी तरफ कलिंग युद्ध में जो लोग मारे गए वो युद्ध में लड़ते हुए मारे गए थे न कि युद्ध जीतने के बाद मारे गए थे। एक सच यह भी है कि अकबर ने सहनशीलता का सिद्धांत इसलिए अपनाया क्योंकि वो जान गया था कि भारत पर लंबे समय तक शासन करना है तो हिन्दुओं को साथ लेकर चलना होगा अन्यथा मुगल शासन ज्यादा देर तक नहीं चल पाएगा। उसने जो नीति अपनाई, वो उसकी राजनीति का हिस्सा था न कि उसमें मानवता जाग गई थी और वो हिन्दुओं से प्रेम करने लगा था। सम्राट अशोक में मानवता जाग गई थी इसलिए उन्होंने कोई युद्ध नहीं किया और अपनी सेना की संख्या में भी भारी कमी कर दी। कलिंग युद्ध के बाद मौर्य साम्राज्य की सेना सिर्फ रक्षा के काम तक सीमित हो गई थी और साम्राज्य का विस्तार बंद कर दिया गया था। अकबर पूरी जिंदगी युद्ध करता रहा और मुगल साम्राज्य का विस्तार करता रहा। जहां तक अकबर की सहनशीलता की नीति का सवाल है तो वो बहुत सफल रही थी जिसके कारण औरंगजेब तक मुगल साम्राज्य बिना किसी बाधा के चलता रहा लेकिन जब औरंगजेब ने इस नीति का त्याग करके हिन्दुओं का उत्पीड़न शुरू कर दिया तो उसकी मौत तक मुगल साम्राज्य का लगभग पतन हो गया था। औरंगजेब के बाद मुगल साम्राज्य दिल्ली के आसपास सीमित हो गया था। इस किताब में मुगलों और दिल्ली सल्तनत के बारे में विस्तार से बताया गया है। इसके अलावा इस किताब में 13वीं सदी से लेकर 17वीं सदी तक का भारत का इतिहास बताया गया है। इसमें मुगल काल और सल्तनत काल के दौरान भारत के प्रतिरोध के बारे में भी बताया गया है। इसमें सिक्खों के उत्थान के बारे में भी बताया गया है। इस किताब में इस काल के दौरान मंदिरों पर हमले और शासकों की क्रूरता का वर्णन किया गया है। पहले इस काल के बारे में सातवीं कक्षा में पढ़ाया जाता था लेकिन इन शासकों के अत्याचारों का वर्णन नहीं था। इस किताब में बताया गया है कि खिलजी वंश के शासन काल के दौरान मलिक काफूर ने श्रीरंगम, मदुरै, चिदंबरम और रामेश्वरम जैसे कई हिन्दू केन्द्रो पर हमला किया था। इन हमलों का उद्देश्य लूट करना नहीं था बल्कि हिन्दू धर्म को चोट पहुंचाना था। बाबर के बारे में बताया गया है कि वो बेहद क्रूर और निर्दयी विजेता था जिसने कई शहरों की पूरी आबादी का कत्लेआम कर दिया था।

# मुंबई लोकल ट्रेन ब्लास्ट केस 2006-ट्रायल कोर्ट से दोषी ठहराए सभी 12 लोगों को हाईकोर्ट ने आरोपों से बरी किया-फिर दोषी कौन? प्रॉसीक्यूशन पर उठे सवाल?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ में भारतीय संवैधानिक संस्थाएं जैसे निर्वाचन आयोग न्यायपालिका इत्यादि की प्रतिष्ठा बनी हुई है,परंतु कुछ की परिस्थितिजन्य स्थितियों के कारण कम है, स्वाभाविक रूप से हम जानते हैं कि अंदरखाने भ्रष्टाचार राजनीतिक हस्तक्षेप डिपार्टमेंट की आपसी जबरदस्त मिलीभगत न्यायपालिका में प्रॉसीक्यूशन को प्रभावित कर असफलता के घेरे में लाकर खड़ा कर देती है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र, मानता हूं कि यदि भ्रष्टाचार के केस में पटवारी या बाबू से लेकर अधिकारी तक फसता है तो मैं प्रैक्टिकल देखा हूं कि भ्रष्टाचार का आरोपी कुछ समय निलंबित रहने के बाद ड्यूटी पर वापस ज्वाइन हो जाता है फिर लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद बरी भी हो जाता है,इसमें पूरी चैनल की मिली भगत हो सकती है जो हमें प्रत्यक्ष रूप से पता नहीं चलता, परंतु इसका एक अपवाद यह भी है कि किसी हाई प्रोफाइल केस में कोई हाथ नहीं डालता, बल्कि कुछ कानूनी लीकेज का फायदा बचावपक्ष उठकर फिर प्रॉसीक्यूशन को पटकनीं दे देता है आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 21 जुलाई 2025 को माननीय बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई लोकल ट्रेन ब्लास्ट के ट्रायलकोर्ट से दोषी ठहराए गए 12 लोगों को आरोपों से बरी कर दिया,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,भारत में प्रॉसीक्यूशन पक्ष की सफलताओं को प्रभावित करने में राजनीतिक हस्तक्षेप भ्रष्टाचार गवाह को डराना इत्यादि कारकों का संज्ञान लेना जरूरी है। साथियों बात अगर हम सोमवार दिनांक 21 जुलाई 2025 को बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले की करें तो,2006 में हुए मुंबई लोकल ट्रेन ब्लास्ट केस में बॉम्बे हाई कोर्ट ने आज ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए सभी दोषियों को बरी कर दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष अपने आरोप साबित करने में पूरी तरह नाकाम रहा और यह विश्वास करना मुश्किल है कि आरोपियों ने ही यह अपराध किया हो, इस मामले में हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की ओर से दोषी ठहराए गए 12 में से 11 आरोपियों को सभी आरोपों से बरी कर दिया है, जबकि एक आरोपी की अपील लंबित रहने के दौरान मृत्यु हो गई थी। 2006 मुंबई ट्रेन ब्लास्ट केस:-11 जुलाई 2006:7 बम धमाके मुंबई की लोकल ट्रेनों में हुए, 187 लोगों की मौत, 824 घायल,जुलाई-अगस्त 2006:13 लोगों की गिरफ्तारी,30 नवंबर 2006: 30 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल, जिनमें 13 पाकिस्तानी नागरिक भी शामिल 2007: ट्रायल शुरू,सितंबर 2015:12 लोगों को दोषी ठहराया गया, 5 को फांसी, 7 को उम्रकैद,2024: हाई कोर्ट ने केस की सुनवाई शुरू की,21 जुलाई 2025: सभी 11 आरोपी बरी, हाईकोर्ट ने कहा कि यह मानना मुश्किल है कि आरोपियों ने अपराध किया है, इसलिए उन्हें बरी किया जाता है। अगर वे किसी दूसरे मामले में वांटेड नहीं हैं, तो उन्हें तुरंत जेल से रिहा किया जाए। कोर्ट के आदेश के बाद सोमवार शाम 12 में से दो आरोपियों को नागपुर सेंट्रल जेल से रिहा कर दिया गया। 11जुलाई 2006 को मुंबई के वेस्टर्न सब अर्बन ट्रेनों के सात कोचों में सिलसिलेवार धमाके हुए थे। इसमें 189 पैसेंजर की मौत हो गई थी और 824 लोग घायल हो गए थे। सभी धमाके फर्स्ट क्लास कोचों में हुए थे। घटना के 19 साल बाद यह फैसला आया है। हाईकोर्ट के फैसले के बाद आगे क्या 3 पॉइंट:-(1) सुप्रीम कोर्ट के वकील आशीष पांडे बताते हैं, 'बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है।'(2)भारत के संविधान के अनुच्छेद 136 में प्रावधान है।

# अमर शहीद चन्द्र शेखर आजाद की जीवन यात्रा राष्ट्रीय स्वाभिमान की अप्रतिम मिशाल : केशव प्रसाद मौर्य

भारत संवाद

लखनऊः उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को अपने कैम्प कार्यालय सात- कालिदास मार्ग पर 'अमर शहीद' चंद्रशेखर आजाद जी की जयंती के अवसर पर उनके स्मृति चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया।इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत माता के वीर सपूत चंद्रशेखर आजाद जी का जीवन साहस, त्याग और मातृभूमि के प्रति अदम्य प्रेम की अमिट मिसाल है। जिस क्रांति की मशाल उन्होंने थामी थी, वह आज भी सभी देशवासियों में राष्ट्रभक्ति की भावना को और अधिक बलवती बनाती है। नर नाहर,अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की जीवन यात्रा राष्ट्रीय स्वाभिमान की अप्रतिम मिशाल है। आजाद जी का जीवन हमारी आने वाली पीढ़ियों को साहस, बलिदान और राष्ट्रनिष्ठा की प्रेरणा युगों युगों तक देता रहेगा।

# इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन चुनाव

## अध्यक्ष समेत 28 पदों के लिए हुआ मतदान, 200 प्रत्याशी चुनावी मैदान में

भारत संवाद

प्रयागराज, इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की 28 सदस्यीय कार्यकारिणी के लिए आज मतदान हुआ। न्यू अधिवक्ता चैंबर्स बिल्डिंग के भूतल स्थित पार्किंग में मतदान सुबह 9:30 बजे शुरू किया गया। यह पूरी प्रक्रिया सीसीटीवी कैमरों की निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था के बीच कराई गई।इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन चुनाव सकुशल संपन्न, बार एसोसिएशन के चुनाव में कुल 8337 वोट पड़े, अध्यक्ष और महासचिव समेत 28 सदस्यीय कार्यकारिणी के लिए हुआ चुनाव। मुख्य चुनाव अधिकारी राधाकांत ओझा ने जानकारी दी कि इस बार अध्यक्ष, महासचिव सहित कई पदों के लिए कुल 200 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। कुल 9719 अधिवक्ता अपने

मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। इसके लिए कुल 18 मतदान बूथ बनाए गए हैं, जिनमें महिला और बुजुर्ग अधिवक्ताओं के लिए अलग बूथ की व्यवस्था की गई है। अध्यक्ष पद पर 11, महासचिव पद पर 8 और वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर 9 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं।इसके अलावा कोषाध्यक्ष पद के लिए 14, उपाध्यक्ष पद पर 42, संयुक्त सचिव (प्रशासन) हेतु 13, संयुक्त सचिव (लाइब्रेरी) के लिए 7, संयुक्त सचिव (प्रेस) पद हेतु 13, संयुक्त सचिव (महिला) के लिए 5 और कार्यकारिणी सदस्य के 15 पदों के लिए कुल 78 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। चुनाव समिति ने यह भी स्पष्ट किया है कि अधिवक्ताओं को बार एसोसिएशन का वैध आईडी कार्ड दिखाना अनिवार्य है और वे केवल वकील ड्रेस में ही मतदान कर सकते हैं। अधिवक्ता सुबह से ही लाइन में लगकर वोट डालने पहुंचे थे। मतदान प्रक्रिया के दौरान हाईकोर्ट की अदालतों में सुनवाई भी जारी है।इस स्थिति को देखते हुए मुख्य चुनाव अधिकारी राधाकांत ओझा ने मुख्य न्यायाधीश से 'नो एडवर्स ऑर्डर' का अनुरोध किया है, जिससे मतदान में व्यस्त अधिवक्ताओं को किसी केस में नुकसान न हो। मतदान शाम 5 बजे तक चलेगा।इसके बाद मतपेटियों को स्ट्रॉन्ग रूम में कड़ी सुरक्षा के बीच रखा जाएगा। गुरुवार को कोई प्रक्रिया नहीं होगी। शुक्रवार से मतगणना शुरू की जाएगी। शुरूआत में एकल पदों (अध्यक्ष, महासचिव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आदि) की गिनती की जाएगी, इसके बाद गवर्निंग काउंसिल सदस्यों के लिए मतगणना होगी।

फास्ट ट्रैक

## थाना को0कटरा पुलिस द्वारा युवती के साथ दुष्कर्म करने के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना को0कटरा, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 02.07.2025 को एक व्यक्ति द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादी की बहन का पीछा कर परेशान करने व धमकी देने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई ।उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना को0कटरा पर मु0अ0सं0-191/2025 धारा 351(2),78 बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई । सोमेन बर्मावरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक थाना को0कटरा को अभियुक्त की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए ।उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना स्थानीय पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में सुरागरसी पतारसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 23.07.2025 को उप-निरीक्षक चन्द्रभान सिंह चौकी प्रभारी मण्डी मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना को0कटरा क्षेत्र से अभियुक्त हेमन्त यादव उर्फ शुभम यादव पुत्र राजेश यादव निवासी जोगियाबारी अर्जुनपुर थाना को0देहात जनपद मीरजापुर को अंतर्गत धारा 64(1),351(2),78 बीएनएस में गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

## थाना अदलहाट पुलिस द्वारा दहेज हत्या के अभियोग से सम्बन्धित 02 नफर अभियुक्त/अभियुक्ता गिरफ्तार

थाना अदलहाट जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 17.06.2025 को वादी दशमी पटेल पुत्र छैवर निवासी नीबूपुर थाना अलीनगर जनपद चन्दौली द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध वादी की पुत्री की दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करने एवं जान से मार देने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई, ।उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना अदलहाट पर मु0अ0सं0-194/2025 धारा 85,80(2) बीएनएस व 3/4 डीपी एक्ट पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई थी सोमेन बर्मावरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता पूर्वक लेते हुए महिला सम्बन्धित अपराध में त्वरित कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों की यथाशीघ्र गिरफ्तारी हेतु क्षेत्राधिकारी चुनार के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक अदलहाट को निर्देश दिये गये ।उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांकः 23.07.2025 को उप निरीक्षक हरिनाथ राम मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित 02 अभियुक्त/अभियुक्ता 1.आशीष पुत्र नरसिंह व 2. सुनीता देवी पत्नी नरसिंह निवासीगण ग्राम परशुरामपुर थाना अदलहाट जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

## थाना अहरौरा पुलिस द्वारा चोरी के अभियोग से सम्बंधित अभियुक्ता गिरफ्तार

थाना अहरौरा, जनपद मीरजापुर पर वादी विजयानन्द पुत्र स्व0 बच्चा दूबे निवासी बाराडीह थाना अहरौरा जनपद मीरजापुर द्वारा परिवार के साथ भण्डारी देवी मंदिर दर्शन करने आये थे इस दौरान उनकी माता के गले से सोने की चैन चोरी के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई ।उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना अहरौरा पर मु0अ0सं0-165/2025 धारा 303(2), 317(2),115(2) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई । सोमेन बर्मावरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त की गिरफ्तारी करने हेतु प्रभारी निरीक्षक थाना अहरौरा को निर्देशित किया गया । उक्त निर्देश के अनुक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन व क्षेत्राधिकारी आपरेशन के नेतृत्व में थाना अहरौरा पुलिस टीम द्वारा आज दिनांकः 23.07.2025 को उक्त घटना से सम्बन्धित अभियुक्ता उर्मिला देवी पत्नी जितेन्द्र हरिजन निवासिनी चिलबिला थाना धानी जनपद चन्दौली को गिरफ्तार किया गया ।गिरफ्तार अभियुक्ता के कब्जे से चोरी की गयी चैन (पीली धातू) बरामद किया गया । थाना अहरौरा पुलिस द्वारा गिरफ्तार अभियुक्ता के विरूद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही कर मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

# प्रयागराज मण्डल के अधिकारियों की उत्तर मध्य रेलवे मेंस यूनियन के साथ दो दिवसीय पीएनएम बैठक का आयोजन

भारत संवाद

आज दिनांक 23.07.2025 को मण्डल रेल प्रबन्धक/प्रयागराज, श्री रजनीश अग्रवाल की अध्यक्षता में प्रयागराज मण्डल के अधिकारियों की उत्तर मध्य रेलवे मेंस यूनियन (एनसीआरएमयू) के साथ 23.07.2025 से 24.07.2025 तक दो दिवसीय पीएनएम बैठक का आयोजन प्रयागराज मण्डल कार्यालय के संकल्प सभागार में किया गया। भारतीय रेलवे में सीक्रेट बैलेट इलेक्शन -2024 के उपरांत वर्ष 2025 की इस प्रथम पीएनएम बैठक में प्रयागराज मण्डल के अपर मण्डल रेल प्रबन्धक/सामान्य, श्री संजय सिंह; अपर मण्डल रेल प्रबंधक/इंफ्रा, श्री नवीन प्रकाश; अपर मण्डल रेल प्रबन्धक/परिचालन, मो. मुबश्शिर वारिस; वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी, श्री वैभव गुप्ता, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक/ समन्वय श्री आकान्शु गोविल, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/ समन्वय, सीताराम प्रजापति; मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रयागराज, डॉ सुरेंद्र नाथ एवं अन्य शाखा अधिकारी उपस्थित रहे ।

इस पीएनएम बैठक में मण्डल रेल प्रबन्धक/ प्रयागराज, श्री रजनीश अग्रवाल ने मण्डल में सौहार्दपूर्ण औद्यौगिक संबंध बनाए रखने एवं सहयोग करने के लिए एनसीआरएमयू (NCRMU) तथा उनके समस्त शाखाओं के पदाधिकारीगणों को धन्यवाद देते अपने स्वागत भाषण में कहा कि मण्डल के सुचारू रूप से संचालन में आप सभी का अपेक्षित सहयोग मिलता रहा है ।मण्डल रेल प्रबन्धक ने प्रयागराज मण्डल की महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ को रेखांकित करते हुये कहा की जनवरी 2024 से अब तक 160 सेलेक्शन / सुटेबिलिटी / ट्रेड टेस्ट से 3032 कर्मचारियों को पदोन्नत किया गया, 682 कर्मचारियों को एमएसीपी का लाभ प्रदान किया गया, 173 आश्रितों को अनुकम्पा नियुक्ति दी गई एवं 135 आश्रितों को समापन भुगतान किया गया, रेलवे भर्ती बोर्ड इलाहाबाद के द्वारा विज्ञापित पद पर गुड्स ट्रेन मैनेजर 701, स्टेशन मास्टर 177, सीनियर सीसीटीसी 215, सीसीटीसी 129, सीनियर क्लर्क 60, जूनियर कर्लक 121, ट्रेन कर्लक 36, अभ्यार्थियो के पैनल को सफल संचालित किया गया, आर.आर.सी. इलाहाबाद से लेवल-1 मे 1863 अभ्यर्थियो का पैनल प्रयागराज मण्डल को प्राप्त हुआ जिसमे अभियार्थियो के दस्तावेज सत्यापन के उपरांत नियुक्ति प्रदान किया गया

# मंडलायुक्त ने अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की जयन्ती पर इलाहाबाद संग्रहालय स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित करते हुए नमन किया

भारत संवाद

इलाहाबाद संग्रहालय में आज दिनांक 23 जुलाई 2025 को अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की जयन्ती के अवसर पर उनकी संग्रहालय स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि के साथ ही उनकी कॉल्ट पिस्तौल जो कि इलाहाबाद संग्रहालय में संरक्षित उनकी आखिरी निशानी है का एक दिन के लिए प्रदर्शन संग्रहालय के केन्द्रीय कक्ष में जनसामान्य के लिए किया गया। प्रदर्श का अनावरण श्री विजय विश्वास पंत, आयुक्त, प्रयागराज मण्डल ने किया। अपने वक्तव्य में श्री पंत ने अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद के भारतीय स्वतंत्रता में योगदान का भावास्मरण करते हुए कहा कि आजाद जी की यादें प्रयागराज तथा आजाद उद्यान से जुड़ी हुई हैं। इसी आजाद उद्यान में स्थित इलाहाबाद राष्ट्रीय संग्रहालय में आज अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के जन्मदिवस पर आकर उनकी प्रिय पिस्तौल बमतुल बुखारा का अनावरण करना मेरे लिए गौरव तथा सौभाग्य का विषय है।उन्होंने निदेशक इलाहाबाद संग्रहालय श्री राजेश प्रसाद तथा संग्रहालय प्रशासन को इस महत्वपूर्ण तथा सुंदर आयोजन हेतु बधाई ? दी। निदेशक श्री राजेश प्रसाद ने इस एक दिवसीय आयोजन की रूपरेखा तथा उद्देश्य के विषय में चर्चा करते हुए कहा कि अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की पिस्तौल यहां पर संरक्षित है, यह संग्रहालय के लिए सौभाग्य का विषय है जिससे देश के नागरिकों तथा प्रयागराज वासियों की भावनाएं भी जुड़ी हुई हैं जिसका सम्मान करते हुए आज उनकी जयंती पर पिस्तौल को दर्शनार्थ प्रदर्शित किया गया है। अनावरण के पश्चात निदेशक

श्री राजेश प्रसाद ने मुख्य अतिथि मंडलायुक्त सहित विशिष्ट अतिथियों प्रोफेसर योगेश्वर तिवारी, पूर्व विभागाध्यक्ष, मध्यकालीन इतिहास विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय तथा श्री वीरेंद्र पाठक, वरिष्ठ पत्रकार का स्वागत एवं सम्मान किया।कार्यक्रम का संयोजन डॉ सन्जू मिश्रा, सहायक संग्रहाध्यक्ष तथा संयोजन सहयोग डॉ सुशील शुक्ल ने किया। इस अवसर पर संग्रहालय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

# साइबर जागरुकता दिवसपर साइबर क्राइम थाना मीरजापुर द्वारा कार्यशाला का आयोजन स्थान- पंचशील डिग्री कॉलेज , मवई कला , हलिया, मीरजापुर

भारत संवाद

सोमेन बर्मावरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर के निर्देशन में आज दिनांक 23/07/2025 को 15 दिवसीय जन जागरुकता कार्यक्रम के दृष्टीगत साइबर जागरुकता दिवस के अवसर पर साइबर अपराध से संबन्धित घटनाओं की रोकथाम के लिये थाना हलिया अंतर्गत क्षेत्र में स्थान- पंचशील डिग्री कॉलेज, मवई कला, हलिया, मीरजापुर में साइबर जागरुकता से सम्बन्धित कार्यशाला का आयोजन किया गया ।जिसमें कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा साइबर जागरूकता में प्रतिभाग किया गया ।इस कार्यशाला में जिसमें थाना साइबर क्राइम,मीरजापुर के प्रभारी निरीक्षक रामअधार यादव द्वारा साइबर अपराध के प्रकार की जानकारी दी गयी तथा साइबर अपराध क्या है, साइबर अपराध के प्रकार तथा उनसे कैसे बचा जाये उसके बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी तथा निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार द्वारा साइबर की दुनिया में नया अपराध डिजिटल गिरफ़्तारी के बारे में जानकारी दी गयी एवं उ0नि0 अरविन्द यादव द्वारा फेसबुक पर सेक्सटोर्शन, स्क्रीन शेयरिंग एप के जरिये फजीर्वाड़ा, आनलाइन खरीदारी, टेलीग्राम एप्लीकेशन के माध्यम से ठगी व का0 सोनू कुमार द्वारा वढक, , इण्टरनेट बैंकिंग के अपराध ,एवं साइबर अपराध की घटना घटित हो जाने पर राष्ट्रीय साइबर हेल्प नंबर 1930/साइबर क्राइमपोर्टल की वेबसाईट पर अपनी शिकायत दर्ज कैसे करें, के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी ।साइबर अपराध से बचाव हेतु क्या करें/क्या न करें से सम्बंधित आवश्यक दिशा निर्देश का पम्पलेट वितरित किया गया। इस मौके पर पंचशील डिग्री कॉलेज, मवई कला, हलिया के प्रबन्धक लाल बहादुर मौर्य मो0नं- 8853503363, प्राचार्य चन्द्र प्रकाश सिंह सहित कॉलेज प्रांगण में उपस्थित अन्य अध्यापकगण व छात्र/छात्राएं मौजूद रहें ।

# उप जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में दिव्यांग मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल किए जाने के सम्बंध में दिव्यांग मतदाताओं की मानीटरिंग कमेटी की बैठक सम्पन्न

## 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके ऐसे दिव्यांग मतदाता जो पंजीकृत नहीं है, को चिन्हित करते हुए उन्हें निर्वाचन नामावली में पंजीकृत कराये जाने के लिए कहा

भारत संवाद

दिव्यांग मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल किए जाने के सम्बंध में दिव्यांग मतदाताओं की मानीटरिंग कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक करते हुए उप जिला निर्वाचन अधिकारी/ अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्रीमती पूजा मिश्रा ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों एवं समिति के सदस्यों को दिव्यांग मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल कराये जाने हेतु अभियान चलाकर कार्रवाई किये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी से

पेंशन प्राप्त करने वाले दिव्यांग मतदाताओं की सूची उपलब्ध कराये जाने एवं उनका फार्म भराकर रजिस्टेज्शन कराते हुए मतदाता सूची में शामिल किए जाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके ऐसे दिव्यांग मतदाता जो पंजीकृत नहीं है, को चिन्हित करते हुए उन्हें निर्वाचन नामावली में पंजीकृत कराया जाये। उन्होंने कहा कि दिव्यांग मतदाताओं के नामांकन एवं संवेदीकरण के लिए विशेष शिविर का भी आयोजन किया जाये। उन्होंने जनपद में दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा संचालित विशेष विद्यालयों में 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके दिव्यांग मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में पंजीकरण कराये जाने हेतु कार्रवाई करने के लिए कहा है। दिव्यांग मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में शामिल किए जाने हेतु जागरूक करने के लिए इसका व्यापक प्रचार-प्रसार भी कराये जाने के लिए कहा है। मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में प्रत्येक सोमवार को आयोजित शिविर में आने वाले दिव्यांगजनों का नाम मतदाता सूची में शामिल होने का सत्यापन कराते हुए छूटे हुए दिव्यांगजनों का विवरण निर्वाचन कार्यालय, प्रयागराज में कराये जाने के लिए कहा है, जिससे कि उनका नाम सम्बंधित विधान सभा क्षेत्र में सम्मिलित कराने की कार्यवाही पूर्ण की जा सके। उन्होंने समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों से मुख्य चिकित्साधिकारी तथा जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी के कार्यालय से सूची प्राप्त कर छूटे हुए दिव्यांग मतदाताओं के पंजीकरण की कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए कहा है। इस अवसर पर समिति के सदस्यों के अलावा सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

श्रद्धांजलि

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश से हम समस्त देशवासियों और विश्व परिवार को शुभकामनाएं

# अमर क्रांतिकारी चन्द्रशेखर आजाद की जयंती पर परमार्थ निकेतन मां गंगा जी के तट से विनम्र श्रद्धांजलि

भारत संवाद

- शिवरात्रि आत्मचेतना और ब्रह्मांडीय संतुलन से जुड़ने की रात्रि
- आज जरूरत है आजाद की तरह जीने और शिव की तरह जागने की : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

ऋषिकेश। भारतीय इतिहास का वह स्वर्णिम दिन है जब मातृभूमि की गोद में एक ऐसी ज्वाला ने जन्म लिया, जिसने सम्पूर्ण ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी। वह ज्वाला थे, चन्द्रशेखर आजाद। भारत के युवा क्रान्तिकारी आन्दोलन के पुरोधा, चन्द्रशेखर आजाद मात्र 24 वर्ष की आयु में शहीद हो गए, पर उनकी शौर्यगाथा आज भी भारतवर्ष की धमनियों में उर्जा बनकर प्रवाहित हो रही है। उनका जीवन साहस, स्वाभिमान और बलिदान की प्रतिमूर्ति है। वे कहते थे ह्लमैं आजाद था, आजाद हूँ और आजाद ही रहूँगा। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि आज जब हम उनकी जयंती मना रहे हैं, यह केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान के लिए एक आह्वान है, क्या हम आजाद के सपनों का भारत बना पाए? क्या आज के युवा उतने ही समर्पित, साहसी और राष्ट्रनिष्ठ हैं जितने आजाद थे? चन्द्रशेखर आजाद ने राष्ट्र को परम धर्म माना और उसी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया, अंतिम गोली स्वयं पर चलाई, पर गुलामी को गले नहीं लगाया। आज जब युवा वर्ग पर पश्चिमी प्रभाव, नशे, अपसंस्कृति और आत्मकेंद्रित जीवन का प्रभाव दिखायी देता है, तब चन्द्रशेखर आजाद की जयंती जागृति का बिगुल है। आज का दिन हमें यह पुकारकर कह रहा है कि इतिहास को जीना सीखो। आज का दिन भारतभूमि के लिए विशेष है हम भारत माता के वीर सपूत, स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी योद्धा चन्द्रशेखर आजाद की जयंती

मना रहे हैं, जिन्होंने राष्ट्र के लिए जिया और वे केवल एक स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं थे बल्कि वे भारतीय आत्मा की अस्मिता, स्वाभिमान और संघर्ष का प्रतीक हैं। उनकी घोषणायें केवल शब्द नहीं थी, वह तप और त्याग से युक्त एक अग्नि-ज्योति थी, जिसने पूरे देश को स्वतंत्रता की ज्वाला में झोंक दिया। मात्र 24 वर्ष की आयु में बलिदान देकर वे अमर हो गए, लेकिन उनके विचार और उनका साहस आज भी प्रत्येक राष्ट्रभक्त के हृदय में धधकता है। आज के युवाओं को यह समझने की आवश्यकता है कि स्वतन्त्रता केवल राजनीतिक या भौगोलिक नहीं होती, बल्कि यह मानसिक, सांस्कृतिक और आत्मिक चेतना का विषय भी है। जब तक हम मानसिक रूप से पराधीन रहेंगे तब तक हम पूर्ण रूप से स्वतंत्र नहीं हो सकते। यह समय राष्ट्र के पुनर्निर्माण का है और एक नये क्रांति की पुकार का है। स्वामी जी ने कहा कि आज जरूरत है आजाद की तरह जीने और शिव की तरह जागने की।महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश से हम समस्त देशवासियों और विश्व परिवार को शुभकामनाएं दी। यह दिव्य रात्रि आत्मचेतना और ब्रह्मांडीय संतुलन से जुड़ने का पर्व है।भगवान शिव केवल संहारक नहीं, वे संतुलन, नवसृजन और करुणा के प्रतीक हैं। उनका डमरु सृष्टि के नाद को प्रकट करता है, और जटाओं से बहती मां गंगा उनकी कृपा की अजस्त्र धारा है। तीसरा नेत्र केवल विनाश नहीं, बल्कि अज्ञान के अंधकार को दूर करने वाली जागरूकता का प्रतीक है।जब हम शिवलिंग पर जल अर्पित करते हैं, यह मात्र एक अनुष्ठान नहीं होता, बल्कि हमारे भीतर के अहंकार, नकारात्मकता और स्वार्थ को शुद्ध करने की प्रक्रिया बन जाता है।

# प्रधानाध्यापकों की मासिक बैठक

## छात्रों मे अखबार पढ़ने की रुचि जागृत करें शिक्षकः बीईओ

भारत संवाद

पीलीभीत। बीआरसी बरखेड़ा पर खंड शिक्षा अधिकारी के निर्देशन मे ब्लॉक के सभी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों की मासिक बैठक आयोजित की गई। बैठक मे यू-डायस कार्य, इको क्लब, वृक्षारोपण की जियो टैगिंग, डीबीटी, छात्र नामांकन मे वृद्धि आदिक के बारे मे चर्चा की गई। बीईओ अजय कुमार ने शिक्षकों को निर्देश दिए कि सभी विद्यालयों का यू-डायस से संबंधित कार्य जल्द से जल्द पूर्ण होना चाहिए। शिक्षक इको क्लब का गठन करते हुए मिशन फॉर लाइफ का अनुपालन करें। विद्यालयों मे रोपित किये गये कम से कम दस पेडों की जियो टैगिंग अवश्य हो। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी के निर्देश हैं कि विद्यालय मे प्रत्येक अध्यापक एक गमला और प्रत्येक बालक एक पेड़ अवश्य लगाये। प्रार्थना सभा मे छात्रों को प्रतिदिन योग, भाषा के पाँच नए शब्द सिखाए और समाचार-पत्र पढ़ने की आदत विकसित करें।बीईओ ने उपस्थित शिक्षकों को प्रेरणा पोर्टल पर पंजिकाएँ डिजिटल करने, छात्र उपस्थिति अस्सी फीसद से ऊपर रखने और नए नामांकन मे बढ़ोतरी के भी निर्देश दिए। लापरवाही पर उन्होंने शिक्षकों के वेतन आहरण पर रोक की बात कही। इस दौरान एआरपी महेश कुमार व हरिपाल समेत सैंकड़ो की संख्या मे शिक्षक मौजूद रहे।

### जेएनवी परीक्षा फॉर्म की अंतिम तिथि 29 जुलाई

जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी) बीसलपुर से आये प्रधानाचार्य बीके सिंह ने अध्यापकों से कक्षा-6 की प्रवेश परीक्षा के लिए अधिक से अधिक फॉर्म भरवाने की अपील की। जवाहर नवोदय विद्यालय के नोडल व चयन परीक्षा प्रभारी जय प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि प्रवेश परीक्षा का फॉर्म वही बालक भर सकता है जिसका जन्म 1मई 2014 से 31 जुलाई 2025 के मध्य हुआ हो। परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तारीख 29 जुलाई है।

# निगम की कान्हा गौशाला में पायी गयी सब व्यवस्थाएं दुरुस्त

## अपर नगरायुक्त ने शासन के निर्देश पर किया निरीक्षण

भारत संवाद

सहारनपुर। मेरठ गौशाला में गौवंश की दुर्दशा से सजग हुई प्रदेश सरकार के निर्देश पर आज अपर नगरायुक्त प्रदीप कुमार यादव ने नगर निगम द्वारा संचालित कान्हा उपवन गौशाला का शासन द्वारा प्रदत्त प्रारुप के अनुसार 18 बिंदुओं पर निरीक्षण किया। अपर नगरायुक्त ने गौशाला/नंदीशाला की सब व्यवस्थाओं को दुरुस्त देखकर संतोष व्यक्त किया और इस सम्बंध में गौशाला प्रभारी को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया है। अपर नगरायुक्त प्रदीप यादव आज दोपहर नवादा रोड स्थित श्री शाकुंभरी कान्हा उपवन गौशाला पहुंचे। निरीक्षण के दौरान पशु चिकित्सा कल्याण अधिकारी डॉ.संदीप मिश्रा ने अपर नगरायुक्त को बताया कि गौशाला व नंदीशाला में 588 गौवंश का रख रखाव किया जा रहा है। उनके भरण पोषण के लिए फिलहाल गौशाला में 641 कुंतल भूसा, 67.60 कुंतल हरा चारा, 840 कि.ग्रा चूनी चोकर तथा शुद्ध पेयजल के लिए तीन सबमर्सिबल पम्प और बारिश व सर्दी-गरमी से गौवंश के बचाव के लिए 10 टीन शेड बनाये गए हैं। उन्होंने गौशाला में उक्त सब व्यवस्थाएं और उनका रिकॉर्ड दुरुस्त पाया। बताया गया कि गौवंश की देखभाल के लिए दोनों शिफ्ट में कुल 37 श्रमिक नियुक्त है तथा डॉ. के के नागर उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सदर, पशुधन प्रसार अधिकारी प्रदीप कुमार और वेटेनरी सहायक अंकित कुमार द्वारा नियमित उपचार व परीक्षण किया जा रहा है।

# लाखों श्रद्धालुओं ने महाशिवरात्रि पर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया

भारत संवाद

सहारनपुर। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर आज लाखों श्रद्धालुओं ने जिले में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। रात्रि से ही जिले के समस्त मंदिरों में शिवरात्रि को लेकर अलग ही छटा थी। महानगर में सिद्धपीठ भूतेश्वर मंदिर, राधा कृष्ण मंदिर, शिवशक्ति मंदिर, गोपेश्वर मंदिर, श्री बागेश्वर मंदिर, श्री पातालेश्वर मंदिर सहित अन्य मंदिरों में भक्तों की खासी भीड़ उमड़ी। हर-हर महादेव के उद्घोष के बीच श्रद्धालुओं ने शिवलिंग में जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि की कामना की।

भूतेश्वर रोड स्थित प्राचीन श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर, श्री बागेश्वर मंदिर, शिवशक्ति मंदिर में सुबह से शिव भक्तों का पहुंचना शुरू हो गया था। शिव भक्तो ने गंगाजल, दूध, दही से जलाभिषेक कर बेलपत्र, चावल व पुष्प से भगवान शिव की पूजा अर्चना कर श्रद्धा भाव से भगवान शिव के खूब जयकारे लगायें। महाशिवरात्रि के पर्व पर श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर के मंत्री आशुतोष अग्रवाल ने बताया कि महाशिवरात्रि के पर्व पर शिवलिंग पर जलाभिषेक करने का विशेष महत्व है। इस दिन शिव भक्त विधि विधान के साथ जलाभिषेक कर पूजा अर्चना करते है। महाशिवरात्रि के पर्व पर मंदिर के पदाधिकारियो के द्वारा विशेष प्रबन्ध किये गये थे। जिससे किसी भी श्रद्धालुओ को जलाभिषेक व पूजा अर्चना करने मे कोई समस्या न हो सके। प्राचीन श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर मे पहुंचे भक्तो ने जलाभिषेक कर भगवान शिव शंकर के खूब जयकारे लगाये।

फास्ट ट्रैक

# चंद्रशेखर आजाद एवं बालगंगाधर तिलक की जयंती मनाई

भारत संवाद

सहारनपुर। सर्व भारतीय ब्राह्मण महासभा द्वारा पंडित चंद्र शेखर तिवारी जयंती व बालगंगा धर तिलक का जन्मोत्सव नगर के ब्रज ब्राह्मण इंटर कॉलेज में धूम धामनाया गया व इस अवसर गोष्ठी आयोजन कर चिंतन मनन किया गया इस अवसर पर पूर्व विधायक सुरेंद्र कपिल ने कहा हम सबको पंडित चंद्र शेखर तिवारी जी के जीवन से प्रेरणा लेना चाहिए इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील शांडिल्य व राष्ट्रीय प्रभारी प० अंकित शर्मा ने कहा आज युवाओं को आवश्यकता है वीर पराक्रमी देश भक्त के बलिदानों को आदर्श मानकर सत्य और संघर्ष के रास्ते पर चलकर सर्व समाज और देश का उत्थान करें साथ साथ कहा कि ब्राह्मण समाज ने सदैव समाज और देश को एक से एक पराक्रम वीर देने का कार्य किया और सदैव धर्म और संस्कृति का धर्म प्रचार प्रसार सदैव ब्राह्मण समाज सभी के लिए करते आया है। सबको एकजुटता पर ध्यान देने की आवश्यकता है इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता पंडित विजय शर्मा, नकली राम शर्मा, डॉ श्रीकांत शर्मा, श्री चंद्र शर्मा, अनिल शर्मा, सोनू शर्मा, दीपक शर्मा, गिरिश शर्मा, अशोक मुद्गल, राकेश शर्मा, सर्वजीत शर्मा, राम कुमार शर्मा, नितिन भरद्वाज, पार्षद गौरव कपिल, श्वेताक त्यागी, आलोक मिश्रा, अजय कपिल, बाल कृष्ण शर्मा, राजीव शर्मा, पंकज शर्मा, बृजेश शर्मा, अक्षय मित्र, प्रशांत शर्मा, नरेंद्र शर्मा, एस पी शर्मा, ऋषिपाल शर्मा, प्रदीप शर्मा, जय किशन शर्मा, अक्षय शर्मा आदि उपस्थित रहे।

# बम बम के जयकारों के बीच शिव का जलाभिषेक किया

सहारनपुर राधा विहार स्थित ओघड़ दानी नर्मदेश्वर महादेव मंदिर में श्रावण मास शिवरात्रि जलाभिषेक अवसर पर स्वामी कालेंद्रानंद जी महाराज ने कहा शि, शक्ति का मिलन है शिवरात्रि है। श्री रामकृष्ण विवेकानंद संस्थान के तत्वाधान में आयोजित श्रावण मास पूजा में श्रवण शिव चतुर्दशी को शिवरात्रि अवसर पर कावड़ियों ने शुभ मुहूर्त के अनुसार औघढ़ दानी नर्मदेश्वर महादेव पर जलाभिषेक किया, प्रातः काल से ही महादेव के परिसर में लोगों की कतारे लग गई, और अपनी बारी का घंटों इंतजार करना पड़ा, जय घोष के साथ में सभी ने महादेव का जलाभिषेक किया, हरिद्वार से कावड़ एवं डाक कावड़ लेकर आए कावड़ियों ने बोल बम की जय घोष से महादेव को जल अर्पण किया जिससे वातावरण भक्ति में एवं आनंदित हो गया। श्रावण शिवरात्रि महिमा का वर्णन करते हुए स्वामी कालेंद्रानंद जी महाराज ने कहा शिवरात्रि जलाभिषेक से आत्म तत्व को परम शांति एवं दिव्य अनुभूति होती है, आत्मा परमात्मा का अंश होने के कारण शिवा रुपी परमात्मा पर जलाभिषेक करने से आत्म तत्वों के विकारों में शांति मिलती है और जीव कर्म बंधन से मुक्त होता है उन्होंने कहा शिव ही जगत के कल्याण की मूल हैं। महाराज श्री ने कहा, शास्त्रों के अनुसार पुरुष प्रकृति का वर्णन करता है, उसे आत्मसात करता है यही भाव आत्मा और परमात्मा का मिलन शिवरात्रि कहलाता है महादेव तुलनात्मक सत्ता को धारण कर पूर्ण ब्रह्म रूप में भेद रहित महादेव कहलाते हैं महादेव ही सार्वभौमिक एवं सर्वव्यापक महादेव पर जलाभिषेक करने से परम कल्याण होता है ऋषभ सर पर राजेंद्र धीमान रमेश शर्मा भूपेंद्र पुंडीर अरुण कश्यप कुलदीप गुर्जर अश्विनी कंबोज दिग्विजय राणा गीता बबली बबीता रेखा पूनम कुसुम राजबाला सुनीता सुदेशशादी रहे।

# विशेष शुभ योगों में आज मनायी जाएगी हरियाली अमावस्या....

## पार्थिव शिव पूजा से होती है मनोकामना पूर्ण : स्वामी पूणार्नंदपुरी जी महाराज

भारत संवाद

अलीगढ़ ।वैसे तो भगवान शिव स्वयं महाकाल हैं लेकिन उनका एक स्वरूप भी है, जिसने मृत्यु को जीत लिया था। उस स्वरूप को कहा जाता है कालान्तक शिव,यह भगवान शिव का वह रूप है जिसमें उन्होंने यमराज को पराजित कर अपने भक्त मार्कंडेय को मृत्यु से बचाया। उक्त बातें वैदिक ज्योतिष संस्थान पर चल रहे पार्थिव शिव रुद्राभिषेक अनुष्ठान के दौरान स्वामी पूर्णानन्द पुरी जी महाराज ने शिव भक्तों के मध्य रखीं। आज प्रातःमोहल्ला बराई स्थित प्राचीन विहारी जी मंदिर पर 151 यजमानों ने स्वामी पूर्णानन्द पुरी जी के सानिध्य में शिव पुराण प्रवक्ता सोनू गोस्वामी के नेतृत्व में विधि विधान वेद मंत्रो द्वारा श्रावण शिव रात्रि के पावन पर्व पर गौरव शास्त्री, रवि शास्त्री, ऋषि शास्त्री, शिवम व्यास आदि आचार्यों ने पार्थिव शिव का पूजन अर्चन कराया। स्वामी जी सभी शिव भक्तों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भगवान शिव संहार के देवता हैं। उनके कई रहस्यमयी और शक्तिशाली रूप हैं और उनमें से एक है ₹कालान्तकर₹। यह वह स्वरूप है जिसमें शिव ने स्वयं काल (मृत्यु) को पराजित किया था। कालान्तकर₹ का अर्थ है - काल का अंत करने वाला ।पौराणिक कथा के अनुसार एक बार ऋषि मृकंडु ने संतान प्राप्ति के लिए भगवान शिव की तपस्या की। भगवान शिव उनकी तपस्या से प्रकट हुए और उन्होंने उन्हें दो विकल्प दिए। पहला यह कि उन्हें एक बुद्धिमान पुत्र हो जो अल्पायु होगा और दूसरा ये कि उन्हें एक सामान्य पुत्र हो जो दीघार्यु होगा। ऋषि ने पहला विकल्प चुना। उन्हें मार्कंडेय नामक पुत्र मिला, जो अत्यंत ज्ञानवान था, परंतु उसकी उम्र केवल 16 वर्ष तय की गई थी। किसी ने मार्कंडेय को महामृत्युंजय मंत्र का जाप करने को कहा। मार्कंडेय शिवलिंग के सामने बैठकर महामृत्युंजय मंत्र का जाप करने लगे। जब मार्कंडेय की 16वीं वर्षगांठ आई, मृत्यु देवता यमराज उसे लेने आए, भय के कारण मार्कंडेय भगवान शिवलिंग से लिपट गए और प्रार्थना करने लगे। जैसे ही यमराज ने उन्हें पकड़ने के लिए फंदा फेंका, वह गलती से शिवलिंग पर भी पड़ गया। तभी शिव प्रकट हुए कालांतक रूप में उनका रूप रौद्र और चेहरा तेजस्वी था। उन्होंने हाथ में त्रिशूल और डमरू धारण किया हुआ था। उन्होंने उस स्वरूप में मृत्यु और समय दोनों पर विजय प्राप्त कर ली थी ।उन्होंने क्रोध में यमराज पर त्रिशूल चलाया और उन्हें पराजित कर दिया। मार्कंडेय को चिरंजीवी होने का वरदान मिला। शिवजी ने कहा - कि भक्ति, विश्वास और सत्कर्म के बल पर मृत्यु तक को रोका जा सकता है। जो मेरी शरण में है, उसे मृत्यु भी नहीं छू सकती। पार्थिव शिव अर्चना के बाद सेकड़ों भक्तों ने सामूहिक आरती कर भंडारा प्रसाद ग्रहण किया। स्वामी जी ने हरियाली अमावस्या के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि आज मनाये जाने बाले पर्व हरियाली अमावस्या पर इस बार 3 शुभ योग बन रहे हैं, गुरु पुष्य योग, अमृत सिद्धि योग और सर्वार्थ सिद्धि योग। इन योगों में पितृदोष से मुक्ति और शनि पीड़ा से राहत पाने के लिए उपाय करना शुभ माना जाता है। गुरु पुष्य योग 24 जुलाई को शाम 04:45 बजे से अगले दिन सांय 04:00बजे तक रहेगा। यह योग शिक्षा, नवीन कार्य और महत्वपूर्ण अनुबन्धों के लिए शुभ माना जाता है। अमृत सिद्धि योग पूरे दिन रहेगा। सर्वार्थ सिद्धि योग भी पूरे दिन रहेगा। हरियाली अमावस्या पर ये शुभ योग पितृदोष और शनि पीड़ा से मुक्ति पाने के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण माने जाते हैं। इस दिन पेड़ लगाने से पितरों को शांति मिलती है और ग्रहों के दुष्प्रभाव को कम किया जा सकता है। गुरु पुष्य योग में खरीदारी और विशेष उपाय करना भी शुभ माना जाता है, जिससे मां लक्ष्मी और बृहस्पति की कृपा प्राप्त होती है।

# सीडीओ बने शिक्षकः प्रतियोगी छात्रों को दिए उपयोगी टिप्स

## एसएमबी इंटर कॉलेज में संचालित अभ्युदय कोचिंग केंद्र का किया निरीक्षण

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): मुख्य विकास अधिकारी प्रखर कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत एसएमबी इण्टर कालेज में संचालित कोचिंग केन्द्र में यूपीएससी, यूपीपीएससी, एसएससी एवं नीट की कक्षाओं का निरीक्षण किया और छात्रो को मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन प्रदान किया। निरीक्षण के द्दौरान कोर्स- कोर्डिनेटर उमेश प्रताप सिंह, कम्प्यूटर ऑपरेटर प्रवीन कुमार और एमटीएस अविनाश कुमार उपस्थित रहे ।सीडीओ सर्वप्रथम यूपीएससी की कक्षा में में गए। कक्षा में अध्यापन करा रहे शिक्षक विप्रेश शर्मा से विषय और टॉपिक की जानकारी प्राप्त कर छात्र-छात्राओं को अपना परिचय देने के उपरांत आईएएस, आईपीएस आदि पदों पर चुने जाने के लिए संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा प्रणाली की जानकारी प्रदान की। उन्होंने कैबिनेट सचिव से लेकर जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी और पीसीएस अधिकारियों के अधिकार, कर्तव्य, दायित्व की विस्तृत जानकारी देते हुए छात्रों से संवाद कर उन्हें प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी, समय प्रबंधन और सतत अध्ययन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर छात्रों को उपयोगी टिप्स प्रदान किये। सीडीओ ने अपनी व्यक्तिगत तैयारी के अनुभवों और अपने सहपाठियों के प्रयासों पर विस्तृत चर्चा करते हुए छात्रों को रोमांचक अनुभव प्रदान किया ।मुख्य विकास अधिकारी ने नीट की कक्षा का निरीक्षण कर छात्रों से संवाद किया। छात्रों से नीट की परीक्षा प्रणाली और उनकी तैयारी की जानकारी ली व छात्रों को पर्याप्त समय पढ़ने, खुद को स्वस्थ रख कर सतत तैयारी करने को प्रेरित किया। एसएससी की कक्षा के निरीक्षण के दौरान सीडीओ ने अध्यापन करा रहे शिक्षक से विषय और टॉपिक की जानकारी ली। सीडीओ ने बताया कि मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना प्रतियोगी परीक्षार्थियों के लिए एक सुनहरा अवसर है। जिसके तहत जिले के एसएमबी इंटर कॉलेज में निःशुल्क कोचिंग का नया सत्र प्रारंभ है।

# यमुना क्षेत्र में संभावित बाढ़ के दृष्टिगत ग्राम महाराजगढ़ का डीएम ने किया निरीक्षण

- निरीक्षण के दौरान पात्र व्यक्ति को आवास एवं अन्त्योदय कार्ड का लाभ देने के दिए निर्देश
- तहसील स्तरीय टीम को यमुना के जलस्तर की सतत मॉनिटरिंग करने एवं आपात स्थिति के लिए समुचित तैयारियां सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): जिलाधिकारी संजीव रंजन ने बुधवार को टप्पल क्षेत्र में तहसील की टीम के साथ महाराजगढ़ ग्राम में संभावित बाढ़ के दृष्टिगत भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने यमुना किनारे निवासरत परिवारों से भी संवाद किया और तहसील व ब्लॉक स्तर से की गई तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। ग्रामवासियों ने बताया कि वर्तमान में बाढ़ जैसी कोई समस्या नहीं है, यमुना नदी का जलस्तर भी खतरे के निशान से नीचे है। डीएम ने निरीक्षण के दौरान देखा कि स्थानीय निवासी जसवंत पुत्र मानक चन्द्र झुग्गी-झोंपड़ी में रहते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि इनके पास कोई मकान नहीं है। डीएम ने तत्काल आवास योजना एवं अन्त्योदय कार्ड का लाभ दिए जाने के लिए संबंधित अधिकारियों को दूरभाष पर निर्देश दिए ।जिला मजिस्ट्रेट संजीव रंजन ने कहा कि जिला एवं तहसील प्रशासन आने वाली संभावित समस्या का हर संभव निदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। संभावित बाढ़ से निपटने के लिए सभी आवश्यक उपकरण एवं संसाधन उपलब्ध हैं। उन्होंने तहसीलदार को तटीय ग्रामों में जलस्तर की निरंतर मॉनीटरिंग करते हुए ग्रामों में सूचना प्रसारित करते रहें ।नायब तहसीलदार खैर प्रियंका शर्मा ने बताया कि यमुना नदी खैर तहसील के महाराजगढ़, ऊटासानी, पखोदना एवं शेरपुर ग्राम से होकर गुजरती है। महाराजगढ़ एवं शेरपुर ग्राम यमुना नदी एवं बांध के मध्य बसे हुए हैं। विगत वर्ष यह दोनों ग्राम बाढ़ प्रभावित रहे हैं। दोनों ग्रामों के नजदीक अमर सिंह का नगला में भी कुछ परिवार प्रभावित हुए थे।

# शिकारियों के साथ आएं खुंखार कुत्तों ने घास काट रही महिला को नोच-नोचकर मार डाला

भारत संवाद

सहारनपुर। थाना बिहारीगढ़ क्षेत्र के गांव सतपुरा में आज देर शाम जंगल में शिकार करने के लिए पहुंचे शिकारियों के खुंखार कुत्तों ने खेत में पशुओं का चारा लेने गई एक वृद्ध महिला पर हमला कर दिया और बुरी तरह नौच डाला। इस दौरान महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जिससे नाराज ग्रामीणों ने आरोपी शिकारियों को पकड़कर थाना बिहारीगढ़ पुलिस के हवाले कर दिया ।पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि 22 जुलाई को वादी अमित कुमार पुत्र स्व. सुरेश ग्राम सतपुरा थाना बिहारीगढ जिला सहारनपुर द्वारा थाना उपस्थित आकर एक लिखित तहरीर में बताया कि उसकी माँ श्रीमति तारा को जंगल से घास काटकर वापस घर आते समय जंगल में 4 शिकारियो के 2 खूखांर शिकारी कुत्तो द्वारा नोच-नोच कर घायल कर देना जिससे श्रीमती तारा की मौके पर ही मृत्यु हो जाने के सम्बन्ध में थाना बिहारीगढ़ पर मु0अ0सं0 73/2025 धारा 106(1)/291 बी0एन0एस0 व 9/51 वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 पंजीकृत किया गया ।एसएसपी के निर्देशन में तत्काल संज्ञान लेकर अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु सम्बन्धित को आदेश-निर्देश दिए, आदेशों के क्रम में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी बेहट के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक श्री जावेद खान के कुशल नेतृत्व में 22 जुलाई को थाना बिहारीगढ़ पुलिस द्वारा मुकदमा उपरोक्त में वांछित अभियुक्तों को त्वरित कार्यवाही करते हुए । 04 अभियुक्तगण को उनके 02

# श्री महादेव देवस्थानम मंदिर की नई समिति का गठन

भारत संवाद

सहारनपुर। श्री महादेव देवस्थानम् मंदिर के व्हाटस्प ग्रुप में ट्रस्ट के वर्तमान मे महासचिव प्रवीण गुप्ता द्वारा श्री महादेव देवस्थानम् मदिर का वर्ष 2024-25 कार्यकाल पूर्ण होने पर अग्रिम दो वर्षों के लिये नई समिति के गठन करने के लिए एक संदेश डाला गया था। जिसमें संज्ञान लेते हुए वरिष्ठ पदाधिकारियों की सहमति से संरक्षक मंडल में से चुनाव समिति का गठन किया गया। जिसमे डा. गोकरण दत्त शर्मा, रामजी सुनेजा, राजेन्द्र भारती के नाम शामिल थे ।12 जौलाई 2025 को व्हाटस्प ग्रुप के माध्यम से सभी ट्रस्टियों को निजी मोबाईल नम्बर व श्री महादेव देवस्थानम् मदिर के ग्रुप में प्रसारित किया गया की जो भी ट्रस्टी मंदिर की सेवा मे अध्यक्ष, महासचिव, कोषाध्यक्ष पद पर सेवा देने का इन्छुक हो वह चुनाव समिति को दिनांक 20.07.2025 तक अपना आवेदन नाम व किस पद पर चयन होना चाहता है कि जानकारी लिखित में उपलब्ध करा दें। जिसके अनुसार चयन समिति को दिनांक 20.07.2025 तक अध्यक्ष, महासचिव, कोषाध्यक्ष पद हेतु 01-01 नाम प्राप्त हुये है। जिसमे अध्यक्ष पद के लिये मंयक अरोडा, महासचिव पद के लिये विवके गर्ग व कोषाध्यक्ष पद के लिये रमेश चंद शर्मा का नाम शामिल था। उक्त तीन नाम के अतिरिक्त अन्य कोई नाम किसी भी पद के लिये लिखित या मोखिक रूप मे प्राप्त नही हुऐ है। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया जाता है कि अग्रिम वर्षों 2025-26, 2026-27 के लिये उपरोक्त तीनों पदों के लिये मंयक अरोडा को अध्यक्ष, विवके गर्ग को महासचिव, रमेश चंद शर्मा को कोषाध्यक्ष पद पर चयनित किया जाता है ओर तीनो पदाधिकारी अपनी सहयोगी कार्यकारिणी बनाकर कार्य करेंगे।

**प्रदर्शनी सम्पन्न** — डीएम-सीडीओ ने जनपद स्तरीय प्रोजेक्ट प्रतियोगिता व मॉडल प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

# नवाचार से विकसित भारत की ओरः इंस्पायर अवार्ड मानक योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी सम्पन्न

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार एवं नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में इंस्पायर मानक योजनान्तर्गत जनपद स्तरीय प्रोजेक्ट प्रतियोगिता व मॉडल प्रदर्शनी बुधवार को कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर में आयोजित की गई। इंस्पायर अवार्ड जनपद स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिलाधिकारी संजीव रंजन एवं मुख्य विकास अधिकारी प्रखर कुमार सिंह द्वारा संयुक्त रूप से मां सरस्वती के समक्ष रूप से दीप प्रज्वलन करके किया गया। कार्यक्रम में टीका राम गर्ल्स इंटर कॉलेज अलीगढ़ की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना के पश्चात विज्ञान पर आधारित मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है, इंस्पायर मानक योजनांतर्गत छात्र अपने आस पास के परिवेश में मौजूद समस्याओं व कार्यों को सरल बनाने के लिए उनका वैज्ञानिक रूप से उपाय तैयार करते हैं। मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक अलीगढ़ मंडल अलीगढ़ मनोज गिरी ने कहा कि जीवन विज्ञान के प्रयोग जैसा है जितनी बार प्रयोग करेंगे पहले से बेहतर सफलता पाएंगे। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ पूरन सिंह ने बताया कि इंस्पायर की फुल फॉर्म इनोवेशन इन साइंस परस्यूट फॉर इंस्पायर रिसर्च है, इसके अंतर्गत छात्रों को अपना प्रोजेक्ट तैयार करने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रति छात्र को रु दस हजार की धनराशि प्रदान की जाती है ।इसका मुख्य उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना व विद्यार्थियों को मौलिक विचार विकसित करने में मार्गदर्शन प्रदान करना है।

# निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया

सहारनपुर। मानव अधिकार सेवा सुरक्षा संगठन द्वारा लगाया गया निशुल्क चिकित्सा शिविर जो की रात दिन शिव भक्तों की सेवा में लगा रहा आज शिवरात्रि के दिन शिविर का समापन किया गया है और आज के ही दिन शपथ ली गई है कि हम सावन के महीना नहीं पूरे वर्ष मानवता की सेवा करते रहेंगे सनातन धर्म की सेवा करते रहेंगे और गौ सेवा की रक्षा करते रहे


## उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्याः 25/34 — दिनांकः 22.07.2025

**ई-प्रापण निविदा सूचना**

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ0म0रे0, प्रयागराज (आई.एस.ओ. 9001: 2015 प्रमाणित इकाई)** निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

| क्र. सं. | निविदा संख्या | संक्षिप्त विवरण | मात्रा | निविदा खुलने की तिथि |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 64255192 | क्युमिन्स डीजल इंजन | 01 नग | 16.09.2025 |
| 2 | 70252675 | फ्लेक्सिबल पॉलीविनाइल क्लोराइड [पीवीसी] | 2493 नग | 11-अगस्त-2025 |
| 3 | 38251581 | बोगी सेंटर पिवेट बॉटम | 2711 नग | 02.09.2025 |
| 4 | 30252713 | एक्सल बॉक्स पिवेट बुश | 3538 नग | 02.09.2025 |
| 5 | 38251443 | फ्लैप डोर अरेंजमेंट | 1175 नग | 11.09.2025 |
| 6 | 64255167 | टंगस्टन कार्बाइड टैम्पिंग टूल (टीसीटीटी) | 12 सेट | 18.09.2025 |

**नोटः** उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण **IREPS** वेबसाईट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाओं में किसी भी बदलाव / शुद्धि-पत्र के लिए कृपया इस वेबसाईट को नियमित रूप से देखें। समाचार-पत्र में कोई अलग से शुद्धि-पत्र / परिवर्तन प्रकाशित नहीं किया जाएगा। **1284/25 (ADM)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR



**भारत संवाद परिवार** 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित। संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा। फोन नं. 05324012522 मो0- 9455137214, 9935750291, E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939 (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

# औषधीय फसल स्टीविया आमदनी बढ़ाये

### स्टीविया मूलतः

**पेरुग्वे का पौधा है परंतु इसकी खेती मुख्यत : कर्नाटक, आन्ध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब तथा राजस्थान में चित्तौड़गढ़ जिले में प्रारंभ हो चुकी है। इसके पत्तों का स्वाद मीठा होता है, सूखी हुई पत्तियों में 3 से 20 प्रतिशत स्टीवियोसाइड होता है। यह मधुमेह रोगियों में इन्सुलिन की मात्रा को घटाता है साथ ही त्वचा के कैंसर की दवाई, दंत मंजन बनाने व रक्त चाप कम करके उसे नियंत्रित करता है।**

### जलवायु एवं मिट्टी

स्टीविया की फसल वर्षा को सहन कर लेती है उचित जल निकास आवश्यक है। मिट्टी रेतीली दोमट जिसका पीएच 6 से 7.5 के मध्य हो उपयुक्त रहती है।

### भूमि की तैयारी तथा पौध रोपण

स्टीविया की खेती एक पंचवर्षीय फसल के रुप में की जाती हैं अतः खेत की जुताई दो से तीन बार कर उसमें 3 टन केचुंआ खाद अथवा 6 टन कम्पोस्ट खाद के साथ 120 किग्रा प्रॉम जैविक खाद खेत में मिलानी चाहिए। मिट्टी जनित रोगों तथा दीमक से सुरक्षा के लिए प्रति एकड़ 150 से 200 किग्रा नीम की पिसी हुई खल भी खेत की तैयारी के समय मिला दी जाती है।

नर्सरी में इसकी पौध को कटिंग, बीज अथवा टिश्यू कल्चर से तैयार किया जाता है। कलम से तैयार पौधे अच्छे चलते हैं। स्टीविया का रोपण मेड़ों पर किया जाता है ये 1

से 1.5 फीट ऊंची व 2 फीट चौड़ी रखी जाती है। पौधे से पौधे के मध्य 6 से 9 इंच व कतार से कतार 40 सेमी की दूरी रखते हैं। इस प्रकार एक एकड़ में 30 से 40 हजार पौधे लग जाते हैं। रोपण का उपयुक्त माह जुलाई–अगस्त व मार्च–अप्रैल है।

### प्रजातियां

विश्वभर में स्टीविया की लगभग 90 प्रजातियां हैं। वर्तमान में स्थानीय जलवायु में एसआरबी–123 जिसकी वर्ष में 5 कटाई ली जा सकती है तथा एसआरबी–512 (चार कटाई) व एसआरबी 120 प्रमुख हैं।

### सिंचाई

इसकी फसल को वर्ष भर निरंतर सिंचाई की आवश्यकता होती हैं। स्प्रिंकलर के उपयोग के अलावा इसकी सिंचाई ड्रिप विधि से अधिक फायदेमंद है।

### कटाई व पत्तियों को सुखाना

रोपण के लगभग चार माह के उपरांत भूमि से 15 से 20 सेमी की ऊंचाई तक फसल की कटाई करें। कटाई का कार्य पौधों पर फूल आने से पूर्व करें। आगे की कटाई प्रथम कटाई से 3–3 माह पर करते हैं। कटाई के बाद प्रायः 3 से 4 दिन तक पत्तों को छाया में सुखाया जाता है जिससे ये पूर्णतया नमी रहित हो जाते हैं।

### उपज

बहुवर्षीय फसल होने के कारण स्टीविया की उपज में प्रत्येक कटाई के साथ बढ़ोत्तरी होती जाती है। चार कटाईयों से लगभग 2 से 4 टन पत्तियां प्रति हेक्टेयर उत्पादन होता है। औसतन फसल से वर्ष भर में लगभग 2.5 टन सूखे पत्ते प्राप्त होते हैं।

### पैकिंग व शुद्ध लाभ

सूखी हुई पत्तियों को प्लास्टिक के बैगों में सील पैक कर भर दिया जाता है। इसकी खरीद देश की कई प्रमुख कंपनियां कर रही हैं तथा कई इसे पुर्नखरीदी आधार पर प्रोत्साहित भी कर रही हैं। इसकी बिक्री दर 80 से 120 रुपये प्रति किग्रा तक है। लागत को घटाकर एक अनुमान के मुताबिक करीब एक लाख रुपये प्रति हैक्टेयर शुद्ध लाभ बनता है। अच्छी तकनीक से उपजायी गयी सूखी पत्तियों के पाउडर का मूल्य कृषक को दो सौ रुपये प्रति किलो तक मिल सकता है।

### खरपतवार नियंत्रण एवं निराई-गुड़ाई

खरपतवार निकालने का कार्य हाथों से ही किया जाना चाहिये तथा इस हेतु रसायनिक खरपतवारनाशी काम में न लें।

### पोषक तत्वों की आवश्यकता

फसल की निरंतर वृद्धि के लिए खाद के साथ–साथ प्रत्येक कटाई के बाद 500 किग्रा केचुंआ खाद व 30 किग्रा प्रॉम जैविक पौधों के पास डालना चाहिए। फसल में रसायनिक उर्वरकों एवं टॉनिकों का प्रयोग न करें।

### पौध संरक्षण

नियमित अंतरालों पर गोमूत्र अथवा नीम तेल का पानी में घोल बनाकर छिड़काव करने से फसल रोगों व कीटों से मुक्त रहती हैं।

# सही बकरी ज्यादा मुनाफा

वैज्ञानिक ढंग से बकरी पालन के लिये सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ज्यादातर बकरियां मांस हेतु पाली जाती हैं अतः ऐसी बकरियां चुननी चाहिए जिनका जन्म के समय शरीर भार अच्छा यानि 3 से 4 किलोग्राम के दरम्यान होना चाहिए क्योंकि ऐसे सुदृढ़ मेमने तेजी से बढ़ते हैं और जल्द ही बाजार में विपणन (बिक्री) हेतु तैयार हो जाते हैं। इसके अलावा उनका शरीर भार वृद्धि दर भी अच्छा होना चाहिये और वो 9 माह की उम्र में कम से कम 25 किलोग्राम तथा 12 माह की उम्र में 30 किलोग्राम तक पहुंच जाना चाहिये। प्रयोगों के आधार पर पाया गया कि दो नस्लों के संकर नस्ल के मेमनों का शरीर भार अच्छा होता हैं तथा उसका शरीर भार वृद्धि दर भी अच्छा होता हैं। अतः देशी नस्ल की अवर्णित बकरियों की अपेक्षा वर्णित नस्ल की शुद्ध नस्ल की बकरियां जैसे मारवाड़ी, कच्छी, जमुनापारी, उस्मानाबादी, संगमनिरी आदि नस्लों की बकरियां या संकर नस्ल की बकरियाँ पालना चाहिए।

कोई भी बकरी चुनाव करने से पहले उसके माता–पिता की वंशावली यानि माता–पिता के बारे में तथा उनके पुर्नउत्पादन/प्रजनन तथा उत्पादन क्षमता के बारे में जानकारी उपलब्ध हैं तो अवश्य देखनी चाहिए। बकरी फार्म पर सभी बकरियों का शरीर भार हर माह नाप–तौलकर उसे अंकित कर रख लेना चाहिए। इससे उनकी बढ़वार, शरीरभार वृद्धि के बारे में सही जानकारी मिल जाती हैं।

एक खास बात यह है कि जिस मादा बकरी से भूतकाल में 3 से 4 मेमने प्राप्त हुए हैं यानि प्रसव उपरांत ज्यादा मेमने पैदा हुए हैं ऐसी बकरी से प्राप्त नर तथा मादा मेमनों का चुनाव करें क्योंकि उनमें उनकी माता में मौजूद ज्यादा मेमने पैदा करने के गुणसूत्र मौजूद होते हैं। ऐसी बकरियां पालने से भविष्य में ज्यादा लाभ अर्जित कर सकते हैं। इन मूलभूत आनुवांशिक बातों के अलावा अनुभव के आधार पर कुछ शारीरिक बाह्यस्वरूपी लक्षण होते हैं उन्हें मद्दे नजर रखते हुए बकरियों का चुनाव करें तो ऐसी बकरियों की बढ़वार, शरीर वृद्धि दर उत्पादन तथा पुर्नउत्पादन क्षमता अच्छी हो सकती हैं तथा उन्हें पालने से अच्छा लाभ कमाया जा सकता हैं।

नर बकरा हष्ट–पुष्ट, ऊंचा बलवान, मजबूत तथा एक समान पैर तथा खुरवाला, उसकी आंखें सजीली चमकदार होनी चाहिए। चमड़ी नर्म मुलायम, चमकदार होनी चाहिए। सींग पूर्ण रूप से विकसित, जननांग पूर्ण रूप से विकसित, बिना किसी विकृति होने चाहिए। उसकी लैंगिक क्षमता, कामेच्छा बढ़िया होनी चाहिए तथा वह फुर्तीला होना चाहिए। उसे कोई भी लैंगिक रोग जैसे बुसेल्लोसिस, ट्राइकोमोनियासिस आदि नहीं होने चाहिए। उसकी उम्र डेढ़ से दो साल होनी चाहिए।

मादा बकरियाँ भी हष्टपुष्ट, निरोगी पूर्ण रूप से विकसित, चमकदार बाल तथा आंखें, सजग कान, तिकोना शरीरधारी, पसलियाँ चौड़ी, जांघे चौड़ी, मजबूत तथा एक समान पैर तथा खुरधारी, मेमनों को अच्छी तरह संभालने वाली, बड़े स्तन तथा अयनधारी और बिना कोई विकृति या किसी लैंगिक रोग से मुक्त होनी चाहिए।

संघटित बकरीफार्म जैसे कुछ निजी फार्म, राज्य सरकारों के अधीन पशुसंवर्धन विभागों के बकरी फार्म, कृषि विज्ञान केंद्र कृषि विश्वविद्यालय तथा भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली के अधीन कार्यरत केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान मखदूम पोस्ट फराह, जिला–मथुरा उत्तरप्रदेश जैसे कई स्थान हैं जहां से अच्छे नस्ल की बढ़िया बकरियां प्राप्त की जा सकती हैं।

ऐसी अच्छी आदर्श बकरियां वैज्ञानिक ढंग से अच्छा खानपान तथा रखरखाव करने पर ज्यादा मेमने पैदा करती हैं। उनका वृद्धिदर शरीर भार अच्छा तथा ज्यादा होता हैं। उनसे ज्यादा मांस तथा दूध प्राप्त होता है। वे ज्यादा जल्दी बिक्री योग्य हो जाते हैं और इस प्रकार ऐसी बकरियां तथा उनके उत्पादन (दूध, मां, बाल) बेचकर ज्यादा लाभ कमाया जा सकता हैं तथा बकरी पालन व्यवसाय ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता हैं।

# पशुओं को कैसे बचाएं खुरपका मुंहपका से

यह रोग विषाणु से होने वाला अत्यंत संक्रामक रोग है। यह रोग फटे खुर वाले पशुओं में होता है। इस रोग को विभिन्न जगहों पर अलग अलग नाम से जाना जाता है। खुसीरा, खुरा, खुरपका इत्यादि। सामान्यतः यह रोग गाय, भैंस, बकरी, भेंड एवं सूकर पशुओं में होता है। इस रोग से काफी संख्या में छोटी उम्र के पशु मर सकते हैं। किंतु व्यस्क पशुओं में इस रोग के कारण मृत्यु दर 5 प्रतिशत अथवा इससे भी कम होती है। यह रोग बहुत तेजी से फैलने वाला रोग है तथा कभी–कभी यह रोग पशुओं से मनुष्यों में भी फैल सकता है।

### फैलने के कारण

- रोगी पशु की लार, दूषित चारे, पानी, दूध गोबर एवं पेशाब से
- ग्वालें एवं हवा के माध्यम से, एक से दूसरे पशु में। • रोग से संक्रमित स्थान से पशु क्रय करके लाने पर। • रोगी पशु से सीधे सम्पर्क से
- इस रोग के विषाणु रोगी पशु के फैफड़ों के सूख जाने के बाद घास या चारागाह में गिर जाते हैं, जब इस संक्रमित घास को स्वस्थ पशु खाता है, तो स्वस्थ पशु में यह रोग फैल जाता है।

### लक्षण

- प्रारंभिक अवस्था में पशु सुस्त होता हैं। • चारा खाना कम कर देता है।
- दूध देने वाले पशुओं का दूध कम हो जाता है। • पशु को बहुत तेज बुखार आ जाता है। (106 फारेनहाइट तक)
- एक दो दिन के बाद मुंह तथा पैर में छाले पड़ जाते हैं।
- मुंह में छाले होने से लार टपकने लगती है।
- रोगी पशु लंगडाने लगता है, कभी–कभी घाव में छाले में कीड़े पड़ जाते हैं।
- कभी–कभी पशु के थन पर छाले पड़ जाते हैं जिससे थनैला रोग होने की संभावना बढ़ जाती है। • छालों के फूटने से घाव भी बन जाते हैं।

### उपचार

खुरपका– मुंहपका रोग एक विषाणु जनित रोग है। अतः इस रोग का कोई सीधा उपचार नहीं होता है। एक बार रोग हो जाने पर केवल लक्षणों के आधार पर उपचार किया जाता है। इस रोग में रोगी पशु की प्रतिरोधक क्षमता में कमी होने से पशु में अन्य रोगों के संक्रमण की संभावना हो सकती है। जिसके बचाव के लिए उपचार किया जाता है।

### उपचार के निम्न बिन्दु हैं

- रोगी पशु के मुंह तथा पैर के घावों को लाल दवा (पोटेशियम परमेंगनेट) से प्रतिदिन सुबह और शाम सफाई करें।
- पैर के घावों में यदि कीड़े पड़ गये हैं, तो फिनायल में मीठा तेल मिलाकर (1:1) उस घोल में सूती कपड़े को भिगोकर घाव में भर दें। जिससे कीड़े बाहर आ जायेंगे। इसके अलावा तारपीन का तेल भी प्रयोग कर सकते हैं।
- रोग की तीव्रता बढ़ने पर पशु चिकित्सक से सम्पर्क करें।

### रोकथाम

विषाणु जनित रोग होने से इस रोग का उपचार संभव नहीं है अतः हमें ज्यादा इस रोग की रोकथाम पर ध्यान देना चाहिए। जिससे कि यह रोग रोगी पशु से स्वस्थ में न फैले। रोग की रोकथाम निम्नानुसार करें।

- रोगी पशु को अन्य स्वस्थ पशु से अलग रखे।
- रोगी पशु को नदी, तालाब, पोखर आदि में पानी पीने नहीं दें, रोगी पशु की खान–पान की व्यवस्था अलग करें।
- बीमार पशुओं का इलाज करायें एवं स्वस्थ पशुओं को टीकाकरण करायें।
- रोगी पशुओं के बाड़ें में पशुपालक अलग कपड़ों व जूतों का प्रयोग करें एवं बाहर आने पर हाथ–पैर धोकर कपड़े व जूते बदल लें।
- मृत पशुओं के शव को गहरा गड्ढा खोदकर उसमें नमक व चूना डालकर दफनाना चाहिए अथवा जला दें।
- निकट के पशु चिकित्सक को रोग की सूचना दें।
- इस रोग के बचाव के लिए टीकाकरण अवश्य कराए, खुरपका मुह पका रोग का टीका साल में दो बार मई–जून तथा अक्टूबर–नवम्बर में लगवायें।

# ट्रम्प फिर बोले- भारत-पाकिस्तान संघर्ष में 5 फाइटर जेट्स गिरे

## दोनों देशों के बीच सीजफायर कराया; 73 दिन में 25 बार क्रेडिट लिया

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर से भारत-पाकिस्तान के बीच जंग में 5 फाइटर जेट्स के गिरने का दावा किया है। ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में मंगलवार को एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि दोनों देशों के बीच तनाव बहुत ज्यादा बढ़ गया था। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि संघर्ष के बीच उन्होंने हस्तक्षेप किया और इसे रोकने में कामयाब हुए। ट्रम्प ने कहा कि उस समय दोनों देशों के बीच संघर्ष गंभीर हो गया था, 5 फाइटर जेट्स गिराए जा चुके थे। किसी भी वक्त परमाणु हथियारों का इस्तेमाल हो सकता था। गौरतलब है भारत-पाकिस्तान के बीच 10 मई को सीजफायर हुआ था। तब पहली बार ट्रम्प ने सीजफायर कराने का दावा किया था। बीते 73 दिनों में वे 25 बार जंग खत्म करने का दावा कर चुके हैं। दूसरी बार कहा- भारत-पाक संघर्ष में 5 विमान गिरे ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने दोनों देशों के नेताओं को फोन किया और चेतावनी दी कि अगर लड़ाई नहीं

रुकी तो अमेरिका व्यापार रोक देगा। वे दोनों देश परमाणु हथियार रखते हैं। कौन जानता है कि इसका अंजाम क्या होता, लेकिन उन्होंने इसे रोक दिया। ट्रम्प ने यह भी बताया कि यह बातचीत एक बार नहीं, बल्कि कई बार हुई। यह पहली बार नहीं है जब ट्रम्प ने इस तरह का दावा किया है। इससे पहले भी उन्होंने शुक्रवार को कहा था कि भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने भारतीय लड़ाकू विमानों को मार गिराया था। इसी महीने, व्हाइट हाउस में रिपब्लिकन नेताओं के साथ एक निजी डिनर के दौरान ट्रम्प ने फिर दोहराया था कि भारत और पाकिस्तान एक-दूसरे पर हमला कर रहे थे और चार या पांच विमान हवा में ही गिरा दिए गए थे। उन्होंने कहा, ह्वविमानों को हवा में ही मार गिराया जा रहा था... 5, 5, 4 या 5, लेकिन मुझे लगता है कि असल में 5 विमान मार गिराए गए थे।ह्व न्यूज एजेंसी एएनआई ने सरकारी सूत्रों के हवाले से दावा किया था की ऑपरेशन सिंदूर में इंडियन एयरफोर्स के हमले में पाकिस्तान के 6 फाइटर जेट, 3 एयरक्राफ्ट और 10 से ज्यादा ड्रोन और क्रूज मिसाइलें तबाह हुई थीं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 6 से 10 मई के बीच भारत ने पाकिस्तान के पंजाब और पीओके (पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर) में मौजूद आतंकी ठिकानों पर हमला किया था। इसके बाद पाकिस्तान ने भी जवाब देने की कोशिश की, लेकिन भारतीय वायुसेना ने न केवल जवाब दिया, बल्कि पाकिस्तान को भारी नुकसान पहुंचाया। ऑपरेशन सिंदूर में इंडियन एयरफोर्स के रडार और एयर डिफेंस सिस्टम्स ने पाकिस्तान के फाइटर जेट्स को हवा में ही निशाना बनाया।

सुदर्शन मिसाइल सिस्टम के जरिए लगभग 300 किलोमीटर दूर उड़ रहे एक हाई-वैल्यू एयरक्राफ्ट को भी मार गिराया गया था। ये एयरक्राफ्ट या तो इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम से लैस था या एयरबोर्न अर्ली वॉर्निंग कंट्रोल सिस्टम। इसके अलावा, राफेल और सुखोई-30 ने पाकिस्तानी सेफ सेंटर (हैंगर) को निशाना बनाया, जिसमें मेड इन चीन विंग लूंग ड्रोन तबाह हुए। सूत्रों के मुताबिक, पाकिस्तान के भोलारी एयरबेस पर भी एक स्वीडिश मूल का एईडब्ल्यूसी विमान तबाह हुआ था।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने 7 मई को पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया था। 7 मई को ही पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संसद में दावा किया था कि हमने भारत के हमले के जवाब में कार्रवाई की, जिसमें 5 भारतीय लड़ाकू विमानों को मार गिराया गया। पांच विमानों में 3 राफेल थे।

# नेतन्याहू के कत्ल की साजिश में 70 वर्षीय महिला गिरफ्तार

## आइईडी ब्लास्ट की प्लानिंग कर रही थी; दो हफ्ते पहले भी गिरफ्तार हुई थी

एजेंसी

तेल अवीव, इजराइल की सुरक्षा एजेंसी शिन बेट ने बुधवार को एक 70 साल की बुजुर्ग महिला को प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की हत्या की साजिश करने के शक में गिरफ्तार किया है। इजराइली पब्लिक ब्रॉडकास्टर केएएन के मुताबिक, महिला पर आरोप है कि वह आईईडी ब्लास्ट के जरिए नेतन्याहू पर हमला करने की प्लानिंग कर रही थी। केएएन ने बताया कि गुरुवार को महिला के खिलाफ अपराध की साजिश रचने और आतंकी कार्रवाई करने की साजिश के आरोप में चार्जशीट दाखिल

की जाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, महिला को दो हफ्ते पहले भी गिरफ्तार किया गया था, लेकिन उसे कुछ शर्तों के साथ रिहा कर दिया गया। इन शर्तों में उसे सभी सरकारी संस्थानों में एंट्री करने और प्रधानमंत्री के करीब जाने से प्रतिबंधित किया गया था। पुलिस के मुताबिक, यह महिला ₹जानी-मानी सरकार विरोधी प्रदर्शनकारी₹ है। उसने अन्य प्रदर्शनकारियों से हथियार हासिल करने और प्रधानमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी लेने की कोशिश की थी। कोर्ट के आदेश से महिला की पहचान को सीक्रेट रखा गया था, लेकिन जांचकर्ताओं की अपील पर बुधवार को गोपनीयता का आदेश हटा लिया गया, जिससे उसके खिलाफ मामले सार्वजनिक हुए। जांच पूरी होने के बाद, पुलिस ने बताया कि स्टेट अटॉर्नी ऑफिस और सरकारी वकील को आगे की कार्रवाई और चार्जशीट के लिए जरूरी दस्तावेज सौंप दिए गए हैं। यह पहली बार नहीं है जब इजराइली पीएम पर हमला हुआ है। पिछले साल अक्टूबर पर नेतन्याहू के सीजेरिया स्थित घर पर फिर से हमला हुआ था। नेतन्याहू के घर की तरफ 2 फ्लेयर्स (आग के गोले) दागे गए, जो घर के आंगन में गिरे थे। हमले के वक्त नेतन्याहू और उनका परिवार परिवार घर पर नहीं थे। इससे पहले भी नेतन्याहू के घर पर हिजबुल्लाह ने हमला किया था। तब एक ड्रोन नेतन्याहू के घर के पास एक इमारत पर गिरा था। उस समय भी नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा घर पर नहीं थे।

# भारत न होता तो हमारी इकोनॉमी बर्बाद हो जाती

## मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति नशीद बोले – पीएम मोदी की यात्रा से देश में भारतीय टूरिस्ट बढ़ेंगे

एजेंसी

मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने कहा है कि अगर भारत नहीं होता तो हमारी इकोनॉमी बर्बाद हो जाती। न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए नशीद ने बताया कि उनके देश की आर्थिक स्थिति इतनी खराब हो गई थी कि अगर भारत ने समय पर मदद न की होती, तो मालदीव दिवालिया (डिफॉल्ट) हो गया होता। 2022-23 में पर्यटन ठप होने से मालदीव गहरे आर्थिक संकट में चला गया था। उस पर विदेशी कर्ज बढ़ गया था और डॉलर की भारी कमी थी। भारत ने अनाज-ईंधन सप्लाई और क्रेडिट लाइन देकर मालदीव को डिफॉल्ट होने से बचाया था। नशीद का यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मालदीव दौरे के ठीक पहले आया है। पीएम मोदी 25 और 26 जुलाई को मालदीव के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि को तौर पर शामिल होंगे। एएनआई से बात करते हुए नशीद ने कहा कि मालदीव की विदेश नीति हमेशा इंडिया फर्स्ट की रही है। नशीद ने माना कि चुनावों के चलते मालदीव की नीति चीन की ओर झुक जाती है, लेकिन अब ऐसा नहीं है। नशीद कहा कि मालदीव की पूरी राजनीति इंडिया फर्स्ट पॉलिसी पर आ गई है। उनके मुताबिक भारत भी मालदीव को महत्व देता है। प्रधानमंत्री

मोदी की यात्रा इस बात का सबूत है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा सिर्फ संबंधों को मजबूती देने के साथ-साथ विकास के नए रास्ते भी खोलेगी। भारत की आर्थिक वृद्धि की तारीफ करते हुए नशीद ने कहा कि भारत की तरक्की पड़ोसी देशों को भी साथ लेकर चलती है।

उन्होंने कहा कि भारत की नेबरहुड फर्स्ट नीति से मालदीव को भी बड़ी आर्थिक संभावनाएं मिली हैं। इससे भारतीय पर्यटकों की संख्या में तेजी से बढ़ी है। नशीद ने सुझाव दिया कि भारत और मालदीव के बीच एक ट्रेड एग्रीमेंट होना चाहिए। इससे मालदीव, भारत में स्थायी तौर पर ज्यादा मछली बेच पाएगा। नशीद के मुताबिक मालदीव की मछली की भारत में भारी मांग है। अगर दोनों देशों के बीच ट्रेड एग्रीमेंट होता है तो यह दोनों देशों के लिए फायदेमंद होगा। उन्होंने कहा कि इससे लॉजिस्टिक्स, शिपिंग और सस्टेनेबल मरीन डेवलपमेंट जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ेगा।

नशीद ने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा से भारतीय पर्यटकों की संख्या में और वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि भारतीय मदद से बन रहा हनीमाडू एयरपोर्ट अब लगभग तैयार है और यह दक्षिण भारत के कई शहरों से महज एक घंटे की दूरी पर होगा।

# ऑस्ट्रेलिया में भारतीय छात्र पर नस्लभेदी हमला

## गालियां दीं, बेहोश होने तक पीटा; पत्नी के साथ घूमने निकला था

एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड शहर में एक भारतीय छात्र पर शनिवार को बेरहमी से हमला किया गया। 'द ऑस्ट्रेलिया टुडे' के रिपोर्ट के मुताबिक चरणप्रीत सिंह अपनी पत्नी के साथ कार से शहर के लाइट शो देखने निकला था। इसी दौरान किंटोर एवेन्यू के पास रात 9 बजे कार पार्किंग को लेकर उसकी स्थानीय लोगों से बहस हो गई। चरणप्रीत ने कहा- जब ऐसी घटनाएं होती हैं, तो वापस अपने देश लौट जाने का मन करता है। आप अपने

शरीर में कुछ भी बदल सकते हैं, लेकिन रंग नहीं बदल सकते। फिलहाल मामले में ऋकफ दर्ज की गई है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस हमले का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पांच लोग चरणप्रीत के चेहरे और पेट पर पर मुक्के और लातों से हमला करते हुए दिख रहे हैं, जबकि उनकी पत्नी उन्हें रोकने की कोशिश कर रही थी। हमलावरों के हाथ में नुकीली चीजें भी थीं। हमला करने के बाद आरोपी अपनी कार में बैठकर चले गए और चरणप्रीत को बेहोश हालत में छोड़ दिया। चरणप्रीत को सिर में गंभीर चोटें आईं हैं। उन्हें रॉयल एडिलेड अस्पताल ले जाया, जहां रात भर उनका इलाज हुआ। पुलिस ने बताया कि एक 20 साल के व्यक्ति को एनफील्ड से गिरफ्तार किया गया है और उस पर हमले का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने बाकी आरोपियों को पकड़ने के लिए जनता से मदद मांगी है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने 'द इंडियन सन' को बताया- जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो पीड़ित जमीन पर बेहोश पड़ा था। उसे अस्पताल ले जाया गया। मामले में सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। इस हमले से एडिलेड के भारतीय समुदाय में गुस्सा है और अंतरराष्ट्रीय छात्रों और आप्रवासियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। चरणप्रीत के समर्थन में कई लोग ऑनलाइन सामने आए हैं और नस्लीय हिंसा के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

# बम-बम भोले की गूंज के साथ कांवड़ यात्रा समाप्त, 15 दिनों में 4.5 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे हरिद्वार

**लाखों श्रद्धालु सावन शिवरात्रि पर पवित्र नदी का जल लेने और शहर के शिव मंदिरों में जलाभिषेक करने के लिए गंगा तट पर उमड़ पड़े। मेला नियंत्रण कक्ष के सूत्रों के अनुसार, इस वर्ष कांवड़ यात्रा के दौरान गंगा जल लेने के लिए एक पखवाड़े के भीतर 4.5 करोड़ से अधिक श्रद्धालु हरिद्वार पहुंचे।**

एजेंसी

उत्तराखंड का हरिद्वार बुधवार को 'हर हर महादेव' और 'बम बम भोले' के जयकारों से गूंज उठा। पखवाड़े भर चली कांवड़ यात्रा का समापन हो गया। लाखों श्रद्धालु सावन शिवरात्रि पर पवित्र नदी का जल लेने और शहर के शिव मंदिरों में जलाभिषेक करने के लिए गंगा तट पर उमड़ पड़े। मेला नियंत्रण कक्ष के सूत्रों के अनुसार, इस वर्ष कांवड़ यात्रा के दौरान गंगा जल लेने के लिए एक पखवाड़े के भीतर 4.5 करोड़ से अधिक श्रद्धालु हरिद्वार पहुंचे।कनखल क्षेत्र में स्थित दक्षप्रजापति महादेव मंदिर परिसर में भगवाधारी भक्तों का तांता लगा रहा, जिसे भगवान शिव का ससुराल माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, अपने ससुर राजा दक्ष को दिए वचन का पालन करते हुए, भगवान शिव पूरे श्रावण मास कनखल में निवास करते हैं। कनखल के अन्य शिवालयों, जैसे दरिद्र भंजन, तिलभांडेश्वर, बिल्वेश्वर, नीलेश्वर और गौरीशंकर मंदिरों में भी भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी।हरिद्वार के जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमोद डोभाल ने भी अपने अधीनस्थ अधिकारियों के साथ हर की पौड़ी पर गंगा पूजा की। उन्होंने वहाँ से जल लेकर दक्ष मंदिर में जलाभिषेक किया और हर साल करोड़ों श्रद्धालुओं द्वारा आयोजित कांवड़ मेले के निर्विघ्न समापन के लिए भगवान शिव का आभार व्यक्त किया। सावन शिवरात्रि पर शिव मंदिरों में भारी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और पूजा अर्चना के लिए पहुंच रहे हैं। वाराणसी में, काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विश्व भूषण मिश्रा ने कहा, ह्वआज सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है और श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की जा रही है।ह्व पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने कहा कि सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के जरिए विशेष निगरानी की जा रही है। इस बीच, संभल में करीब 46 साल बाद खोले गए प्राचीन कार्तिकेय महादेव मंदिर में भी भारी संख्या में श्रद्धालु आ रहे हैं।

# दिल्ली में सड़कें डूबीं, स्कूल में घुटनों तक पानी भरा

## झारखंड-बिहार में बिजली गिरने से 7 की मौत; जम्मू-कश्मीर में लैंडस्लाइड से 2 की जान गई

**जम्मू-कश्मीर के राजौरी में लगातार 3 दिनों से भारी बारिश**

**जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के कालाकोट में लगातार तीन दिनों से भारी बारिश हो रही है। इसके कारण जगह-जगह लैंडस्लाइड, मकान क्षतिग्रस्त और सड़कें बंद हो गई हैं। भारी बारिश के कारण सभी सरकारी और निजी स्कूल दो दिन से बंद हैं।**

एजेंसी

नई दिल्ली , दिल्ली- में बुधवार सुबह से ही बारिश हो रही है। दिल्ली के कई इलाकों में सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया, जिससे गाड़ियां फंस गईं। दिल्ली के टिकरी कलां स्थित नगर निगम बालिका स्कूल के क्लासरूम में दो फीट तक पानी भर गया। बच्चे पानी के बीच डेस्क पर बैठे दिखे। कई जगह ट्रैफिक जाम की स्थिति देखी गई। गाजियाबाद में रामनगर एलिवेटेड रोड पर गाड़ियों की लंबी कतारें नजर आईं। कटऊ ने दिल्ली और आज दिन भर गरज, बिजली और तेज हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे) के साथ और बारिश होने की संभावना जताई है।दूसरी तरफ, झारखंड में बिजली गिरने से चार महिलाओं और बिहार में तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, दो महिलाएं झुलस गईं। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के मुताबिक, प्रदेश में मानसून कमजोर पड़ गया है। अगले 48 घंटे में बारिश का अनुमान नहीं है।जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में हुए लैंडस्लाइड में दो लोगों की मौत हो गई। मंगलवार-बुधवार की रात बदोरा पहाड़ी क्षेत्र में लैंडस्लाइड के समय दोनों तंबू में सो रहे थे। मौसम विभाग ने उधमपुर में अगले 72 घंटों तक रुक-रुककर भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान लगाया है।मौसम विभाग ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गोवा, तेलंगाना, असम, मेघालय में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। हिमाचल में 26 जुलाई तक कम बारिश होने का अनुमान है। इसके बाद बारिश का नया दौर शुरू हो सकता है। राजौरी जिले में भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़ और लैंडस्लाइड हुई। अधिकारियों ने लोगों की मदद के लिए कंट्रोल रूम बनाए हैं। लोगों को घर के अंदर रहने और लैंडस्लाइड संभावित क्षेत्रों में जाने से बचने की सलाह दी गई है।

### हिमाचल प्रदेश में 385 सड़कें बंद, कई जगहों पर लैंडस्लाइड

हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के बाद दो नेशनल हाईवे सहित कुल 385 सड़कें बंद कर दी गई हैं। बंद होने वाली 385 सड़कों में से 252 सड़कें मंडी में हैं।

# जगदीप धनखड़ जल्द खाली करेंगे उपराष्ट्रपति भवन, इस्तीफे के तुरंत बाद पैक किया सामान, नेताओं से भी दूरी

**धनखड़ ने सोमवार को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया। हालाँकि, कांग्रेस पार्टी ने मंगलवार को इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनके इस्तीफे के पीछे असली कारण उनके द्वारा बताई गई स्वास्थ्य समस्याओं से कहीं अधिक गंभीर हैं।**

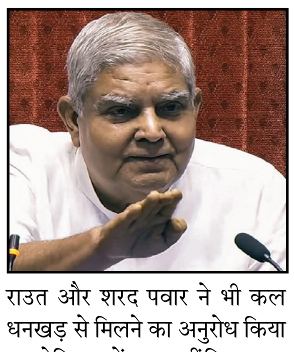

एजेंसी

जगदीप धनखड़ जल्द ही उपराष्ट्रपति आवास खाली करने वाले हैं। सूत्रों के अनुसार, पूर्व उपराष्ट्रपति ने अपने इस्तीफे की रात से ही सामान पैक करना शुरू कर दिया था, हालाँकि उनका इस्तीफा आधिकारिक तौर पर कल ही स्वीकार किया गया था। सूत्रों ने यह भी बताया कि कई विपक्षी दलों के नेताओं ने जगदीप धनखड़ से मिलने के लिए समय माँगा था, लेकिन वह इन अनुरोधों को पूरा नहीं कर पाए। गौरतलब है कि शिवसेना नेता संजय राउत और शरद पवार ने भी कल धनखड़ से मिलने का अनुरोध किया था, लेकिन उन्हें समय नहीं मिल पाया। 74 वर्षीय धनखड़ ने अगस्त 2022 में पदभार ग्रहण किया था और 2027 तक इस पद पर बने रहेंगे। धनखड़ पिछले साल अप्रैल में संसद भवन परिसर के पास, चर्च रोड पर नवनिर्मित उपराष्ट्रपति एन्क्लेव में रहने चले गए थे। यह उपराष्ट्रपति एन्क्लेव, जिसमें उपराष्ट्रपति का निवास और कार्यालय दोनों हैं

# कम से कम संसद तो चलने दें, सरकार चर्चा के लिए तैयार...

## विपक्ष के हंगामे पर बोले चिराग पासवान

**केंद्रीय मंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि यह मेरी समझ से परे है कि जब सरकार किसी भी मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, तो कम से कम संसद तो चलने दें, सवाल पूछें, और हम चर्चा के लिए तैयार हैं। यह विपक्ष की राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है; वे हमेशा ऐसे मुद्दों को उठाकर लोगों को गुमराह करने की कोशिश करते हैं।**

एजेंसी

संसद के दोनों सदनों में विपक्ष के लगातार हंगामे के बीच बुधवार को केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि यह उनकी समझ से परे है कि विपक्षी दल विधायी कार्य क्यों नहीं होने दे रहे हैं, जबकि केंद्र किसी भी मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। केंद्रीय मंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि यह मेरी समझ से परे है कि जब सरकार किसी भी मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, तो कम से कम संसद तो चलने दें, सवाल पूछें, और हम चर्चा के लिए तैयार हैं। यह विपक्ष की राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है; वे हमेशा ऐसे मुद्दों को उठाकर लोगों को गुमराह करने की कोशिश करते हैं। इसके अलावा, केंद्रीय मंत्री पासवान ने विपक्ष पर पाखंडी होने और झूठी जानकारी देकर लोगों को गुमराह करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। पासवान ने राहुल गांधी पर भी पाखंडी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि 2024 के महाराष्ट्र चुनावों में मतदाता सूची में विसंगतियों के बारे में पहले भी आरोप लगाए गए थे, लेकिन कांग्रेस नेता चुनावी बिहार में एसआईआर का

विरोध कर रहे हैं, जिससे मतदाता सूची में किसी भी समस्या का समाधान करने में मदद मिलेगी। उन्होंने आगे कहा, ₹राहुल गांधी ने कांग्रेस के माध्यम से कहा कि उन्होंने महाराष्ट्र चुनावों में डुप्लिकेट वोटों का मुद्दा उठाया था। लेकिन अब जब आपने शिकायत की है, तो हम इसे कैसे ठीक करेंगे? इसे केवल एसआईआर के माध्यम से ही ठीक किया जा सकता है, इसलिए जब हम इसे लागू करते हैं, तो आपको इससे भी समस्या है।₹ लोगों को गुमराह करने के लिए विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि एक ही काम करने का एक पैटर्न है, उन्होंने सीएए-एनआरसी विरोध प्रदर्शनों के दौरान केंद्र पर संविधान को नष्ट करने के दलों के आरोपों का हवाला दिया। मानसून सत्र के तीसरे दिन विपक्षी सांसदों के लगातार हंगामे और विरोध के बीच, लोकसभा और राज्यसभा को 24 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। दोनों सदन गुरुवार को सुबह 11 बजे फिर से मिलेंगे।